राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :192 रांची (झारखंड) बुधवार,23 अप्रैल 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

तमिलनाडु से जुड़े मामले में केरल का मामला शामिल नहीं : केंद्र सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के समक्ष केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने में देरी से संबंधी शीर्ष अदालत के आठ अप्रैल, 2025 के फैसले में केरल का मामला शामिल नहीं है। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सरकार की ओर से पेश ओरसॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तमिलनाडु के फैसले का अध्ययन करने के लिए समय की मांग करते हुए कहा कि यह (तमिलनाडु का मामला) केरल के मामले से अलग है। शीर्ष अदालत ने आठ अप्रैल, 2025 के अपने फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने में देरी पर कई सवाल उठाये। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी ने भी कहा कि तमिलनाडु का निर्णय तथ्यों के आधार पर वर्तमान मामलों (केरल) के कुछ मुद्दों को कवर नहीं करता है। उन्होंने कहा, हम उन अंतरों को दिखाना चाहेंगे। केरल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता के के वेणुगोपाल ने शुरुआत में कहा कि केरल मामला तमिलनाडु मामले में हाल ही में दिए गए फैसले के अंतर्गत आता है। मुद्दा यह है कि राष्ट्रपति को संदर्भित करने की समय सीमा क्या है, जिसे तीन महीने का माना गया है। उन्होंने बताया कि यह केंद्र सरकार द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार है।

इसके बाद पीठ ने श्री वेणुगोपाल से पूछा कि वह क्या प्रस्ताव रखते हैं और क्या वह याचिका वापस लेना चाहते हैं, क्योंकि वह निर्णय वहां है।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि उस निर्णय के सवाल पर वह निर्णय की जांच कर रहे हैं और इस उद्देश्य के लिए कुछ समय दिया जा सकता है। इसके बाद श्री वेणुगोपाल ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल को यह स्पष्ट करना होगा कि यह सीधे तौर पर शामिल है या नहीं। इस पर श्री मेहता ने कहा कि यह शामिल नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि एकमात्र सवाल यह देखना है कि क्या निर्णय वर्तमान (केरल) मामले को कवर नहीं करता है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले पर विचार के लिए छह मई की तारिख तय किया। इस संदर्भ में न्यायालय को यह भी बताया गया कि केरल द्वारा तीन रिट याचिकाएं दायर की गई थीं और केवल एक पीठ के समक्ष सूचीबद्ध थी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की एक अलग पीठ ने आठ अप्रैल को अपने फैसले में घोषणा की कि तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों को मंजूरी न देने का निर्णय 'अवैध' और 'मनमाना' था और राष्ट्रपति को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए तीन महीने की समय-सीमा तय की। केरल सरकार ने शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर कर राज्य विधानमंडल द्वारा पारित और संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किए गए कई विधेयकों के संबंध में राज्यपाल की ओर से निष्क्रियता का दावा किया। केरल सरकार ने अपनी याचिका में यह घोषित करने की मांग की कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग किए बिना अनिश्चित काल के लिए विधेयकों को रोकने में राज्यपाल की कार्रवाई 'अनैतिक, मनमानी, निरंकुश और लोकतांत्रिक मूल्यों, सरकार के कैबिनेट रूप के आदर्शों एवं लोकतांत्रिक संविधानवाद तथा संघवाद के सिद्धांतों के विपरीत है।÷

पश्चिम बंगाल में हिन्दू डरे हुए हैं, उनको वोट तक नहीं डालने देते : गिरिराज सिंह

एजेंसी

बेगूसराय । केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल भाजपा द्वारा हिंदू मतदाताओं के लिए अलग मतदान केंद्र बनाए जाने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि इस मांग में दम है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि पश्चिम बंगाल में हिन्दू डरे हुए हैं, हिंदुओं को वोट तक नहीं डालने देते हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस मामले को लेकर कहा, 'पश्चिम बंगाल भाजपा ने जो मांग की है, वह बताता है कि पश्चिम बंगाल के ममता बनर्जी के नेतृत्व में हिंदू वोटरों को चुनाव में धमकाया जाता है और उन्हें वोट भी डालने नहीं देते हैं। इसलिए पश्चिम बंगाल भाजपा ने जो यह मांग की है, उनकी मांग में दम है। वहां के हिंदू मतदाता मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के व्यवहार से डरे हुए हैं। चुनाव आयोग ने अगर स्पेशल एक्शन नहीं लिया तो वहां के वोटरों को, हिंदुओं को बड़ी कठिनाई होगी। इससे पहले भाजपा के नेता सुवेन्दु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले राष्ट्रपति शासन की मांग की थी। सुवेन्दु अधिकारी ने कहा कि बंगाल में हिन्दूओं को सताया जा रहा है, उनके पास रहने के लिए घर नहीं है। राज्य में चुनाव से पहले हम राष्ट्रपति शासन की मांग करते हैं। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन के अंदर चुनाव कराना चाहिए। बिना राष्ट्रपति शासन के बंगाल में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव नहीं हो सकता है। जहां हिन्दू 50 प्रतिशत से कम हैं, वहां ये लोग हिन्दुओं को वोट डालने नहीं देंगे। पश्चिम बंगाल में 2026 में मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

मैं मर्यादा भूल गया,पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला...अनुराग कश्यप ने फिर मांगी माफी

मुंबई । फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप का ब्राह्मणों पर दिया गया विवादित बयान तूल पकड़ता जा रहा है। इस बीच मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कश्यप ने दोबारा से आहत लोगों से माफी मांगी है। कश्यप का कहना है कि वह गुस्से में आकर मर्यादा भूल गए थे। आगे वह ध्यान देंगे कि बातचीत के दौरान सही शब्दों का इस्तेमाल करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अनुराग कश्यप ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा, ÷मैं गुस्से में किसी को एक जवाब देने में अपनी मर्यादा भूल गया और पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला। वो समाज जिसके तमाम लोग मेरी जिंदगी में रहे हैं, आज भी हैं और उन्होंने बहुत योगदान दिया है। आज वो सब मुझसे आहत हैं। मेरा परिवार मुझसे आहत है। बहुत सारे बुद्धिजीवी, जिनकी मैं इज्जत करता हूं, वे भी मेरे उस गुस्से में बोलने के तरीके या बयान से आहत हैं।दिल से माफी मांगते हुए कश्यप ने आगे कहा, मैंने ऐसी बात करके अपनी ही बात को मुद्दे से भटका दिया। मैं तहे दिल से इस समाज से माफी मांगता हूं। मैं इन्हें ये नहीं कहना चाह रहा था, लेकिन आवेश में किसी की घटिया टिप्पणी का जवाब देते हुए ऐसा लिख दिया। मैं अपने बोलने के तरीके के लिए, अभद्र भाषा के लिए अपने उन तमाम सहयोगियों, दोस्तों, अपने परिवार से और उस समाज से माफी मांगता हूं।माफी मांगने के साथ ही अनुराग ने आगे कहा कि उनसे ऐसी गलती आगे कभी नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा, ÷अब आगे से ऐसा न हो, मैं उस पर काम करूंगा। अपने गुस्से पर काम करूंगा और मुद्दे की बात अगर करनी हो तो सही शब्दों का इस्तेमाल करूंगा। आशा है आप मुझे माफ कर देंगे। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की।

तेजस्वी ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा, भाजपा, जदयू ने किया पलटवार

पटना । बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को एक बार फिर घेरा है। उन्होंने बिहार में मोदी-नीतीश का महाजंगलराज बताते हुए हाल की घटनाओं का भी जिक्र किया है। इधर, भाजपा और जदयू ने भी पलटवार करने में देरी नहीं की। राजद के नेता तेजस्वी यादव ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर बिहार में आपराधिक घटनाओं की लिस्ट जारी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यहां हर मिनट में आपराधिक वारदात हो रही है। तेजस्वी यादव ने अपने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, बिहार में मोदी-नीतीश का महाजंगलराज। बेगूसराय में दो युवकों की हत्या, सुपौल में एक व्यक्ति की हत्या, नालंदा में सुखदेव ठाकुर की गोली मारकर हत्या, मुंगेर में 16 वर्षीय युवक को गोली मारी, पटना में जदयू नेत्री सोनी निषाद को गोली मारी, नालंदा में दो महिलाओं की हत्या, पटना में बस ड्राइवर की गोली मारकर हत्या। उन्होंने आगे लिखा कि कितनी हत्याओं की जानकारी दें, यहां हर मिनट में आपराधिक वारदात हो रही है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, 'संसद ही सर्वोच्च', निर्वाचित प्रतिनिधि संविधान के 'अंतिम स्वामी'

जनता है संविधान की सरंक्षक : जगदीप धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संसद सर्वोच्च है और निर्वाचित प्रतिनिधि संविधान के 'अंतिम स्वामी' हैं। उनसे ऊपर कोई प्राधिकारी नहीं हो सकता। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1977 में देश में आपातकाल (इमरजेंसी) लागू करने वाली प्रधानमंत्री को जनता ने जवाबदेह बनाया था। संविधान लोगों के लिए है और यह उनके चुने हुए प्रतिनिधियों की रक्षा करता है। संविधान में संसद से ऊपर किसी भी प्राधिकरण की परिकल्पना नहीं की गई है। संसद सर्वोच्च है और यह उतनी ही सर्वोच्च है जितना देश का हर एक नागरिक है।उन्होंने आगे कहा कि किसी भी लोकतंत्र के लिए हर नागरिक की अहम भूमिका होती है। मुझे यह बात समझ से परे लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि संवैधानिक पद औपचारिक या सजावटी हो सकते हैं। इस देश में हर किसी की भूमिका (चाहे वह संवैधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक) के बारे में गलत समझ से कोई भी दूर नहीं हो सकता। जगदीप धनखड़ ने कहा, मेरे हिसाब से नागरिक सर्वोच्च है क्योंकि एक राष्ट्र और लोकतंत्र नागरिकों द्वारा ही बनाया जाता है। उनमें से हर एक की अपनी भूमिका है! लोकतंत्र की आत्मा हर नागरिक में बसती है और धड़कती है। लोकतंत्र तभी खिलेगा, उसके मूल्य तब बढ़ेंगे जब नागरिक सजग होंगे, नागरिक योगदान देंगे और नागरिक जो योगदान देते हैं, उसका कोई विकल्प नहीं है। इसके अलावा उपराष्ट्रपति ने कहा कि किस तरह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए इमरजेंसी के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था। किस प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने देश के नौ हाईकोर्ट के फैसलों को खारिज करते हुए मौलिक अधिकारों के निलंबन के पक्ष में फैसला सुनाया था।

दोस्ती की ऊंची उड़ान : सऊदी अरब के लड़ाकू विमानों ने विशेष सम्मान के तौर पर पीएम मोदी के प्लेन को किया एस्कॉर्ट

'मैं रणनीतिक साझेदारी परिषद (स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप काउंसिल) की दूसरी बैठक में भाग लेने और 2023 में मेरे भाई महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की भारत की राजकीय यात्रा की तरह इसे सफल बनाने के लिए उत्सुक हूं।'

एजेंसी

रियाद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय सऊदी अरब यात्रा के लिए मंगलवार को रवाना हुए। उनके प्लेन की जेद्दा में लैंडिंग से पहले सऊदी एयर स्पेस में एक अनोखा नजारा देखने को मिला। पीएम मोदी के प्लेन को रॉयल सऊदी वायु सेना के लड़ाकू वीमानों ने सुरक्षा प्रदान की। विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया, 'दोस्ती की ऊंची उड़ान ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा के एक विशेष संकेत के रूप में, उनके विमान को सऊदी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते ही रॉयल सऊदी वायु सेना ने एस्कॉर्ट किया। इससे पहले मंगरवाल को प्रस्थान से पहले सऊदी अरब की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर जा रहा हूं।'

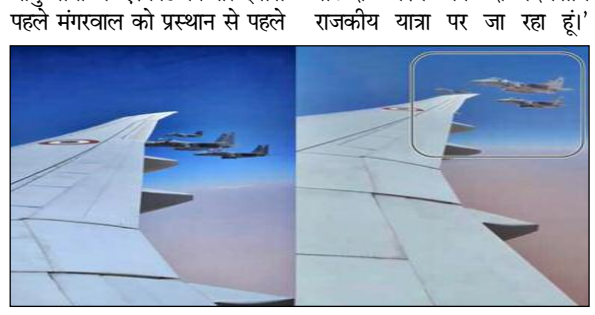

पीएम मोदी ने कहा, 'आज, मैं क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत सऊदी अरब के साथ अपने पुराने और ऐतिहासिक संबंधों को बहुत महत्व देता है, जिसने हाल के वर्षों में रणनीतिक गहराई और गति हासिल की है। साथ मिलकर, हमने रक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी और ठोस साझेदारी विकसित की है।'पीएम मोदी ने कहा, 'पिछले एक दशक में यह सऊदी अरब की मेरी तीसरी यात्रा होगी और ऐतिहासिक शहर जेद्दा की पहली यात्रा होगी। प्रधानमंत्री सऊदी अरब में भारतीय कामगारों से मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के बीच आर्थिक व रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

बारातियों से भरी पिकअप दुर्घटनाग्रस्त, 7 की मौत

एजेंसी

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी जिले में बारातियों को ले जा रहे एक पिकअप वाहन के हादसे का शिकार होने से उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। कल देर रात हुए इस हादसे में 26 लोग घायल हैं। हादसा सीधी जिले के आदिवासी बाहुल्य कुसमी अंचल के उमरिया गांव के समीपी बहेरा डोल में हुआ। तेज रफ्तार में बारातियों को लेकर जा रही पिकअप के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने पर 7 बारातियों की मौके पर ही मौत हो गयी और 26 लोग घायल हो गये। सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से पास के अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बहेरा डोल निवासी प्रेमलाल बैगा की बारात रविवार को शहडोल के देवलोंद

स्थित गाड़ा नकुनी गई थी। सोमवार देर रात बारात वहां से आते समय भीषण दुर्घटना का शिकार हो गयी। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य शुरु किया गया। हादसे के 9 घायलों को रीवा रेफर किया गया है।

यूपी के नगरीय निकायों में आईजीआरएस के तहत दर्ज 92 फीसदी शिकायतों का समाधान

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने नगरीय निकायों में शिकायत निवारण तंत्र को अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ और प्रभावी बनाया है। एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के तहत नगरीय निकायों में दर्ज 92 प्रतिशत शिकायतों का समाधान कर सरकार ने जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को साबित किया है। इसके साथ ही, डेडिकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) और जन सुनवाई जैसे तंत्रों के माध्यम से लाखों समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाता है। प्रत्येक दिन प्रभागवार निगरानी और त्वरित कार्रवाई ने इस प्रणाली को और भी प्रभावी बनाया है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में यूपी के नगर विकास विभाग ने नगरीय निकायों की शिकायत निवारण प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए आईजीआरएस ऑनलाइन पोर्टल की सुविधा प्रदान

की है। यह नागरिकों की शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज करने और उनके समाधान को सुनिश्चित करने का प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नगरीय निकायों में आईजीआरएस के तहत दर्ज शिकायतों में से 92 प्रतिशत का समाधान हो चुका है।

त्रिपुरा के सांसद ने वैष्णव से रेलवे परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का किया आह्वान

'विद्युतीकरण और गुवाहाटी तक वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा शुरू करने पर भी जोर दिया।'

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा के सांसद एवम पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने मंगलवार को राज्य में व्यापक रेलवे विकास के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से नयी दिल्ली में मुलाकात की।

बैठक के दौरान श्री देब ने बुनियादी ढांचे के उन्नयन, डबल-लेन ट्रैक और रेलवे लाइनों के विस्तार सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। चर्चा में खासकर, लुमडिंग-सबरूम और अगरतला-सबरूम खंडों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने मार्गों के विद्युतीकरण और

गुवाहाटी तक वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा शुरू करने पर भी जोर दिया।

उन्होंने अगरतला को जम्मू, पुरी और गया से जोड़ने वाली लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू करने का प्रस्ताव रखा। श्री देब ने अमृत भारत योजना के तहत अगरतला, धर्मनगर, कुमारघाट और उदयपुर जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया और अगरतला स्टेशन को विश्व स्तरीय केंद्र में बदलने का आह्वान किया। अन्य मांगों में औद्योगिक रेल लिंक, जिरानिया यार्ड का विस्तार और अधिक यात्री ट्रेन सेवाएं शुरू करना शामिल था। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री ने इन प्रस्तावों के महत्व को स्वीकार किया तथा प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बाबा रामदेव को हमदर्द और 'रूह अफजा' पर सांप्रदायिक टिप्पणी के लिए लगाई फटकार

अदालत ने रामदेव को एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव को हमदर्द कंपनी और इसके लोकप्रिय पेय रूह अफजा के खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणियों के लिए कड़ी फटकार लगाई। हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया द्वारा दायर मुकदमे की शुरुआती सुनवाई में न्यायमूर्ति अमित बंसल ने रामदेव के बयानों को ÷अक्षम्य÷ बताते हुए कहा कि यह अदालत की चेतना को झकझोरता है। कोर्ट ने रामदेव के वकील को सख्त आदेश की चेतावनी दी और निर्देश लेने के लिए दोबारा पेश होने को कहा। अदालत ने रामदेव को एक

हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया, जिसमें वे वचन दें कि भविष्य में हमदर्द के खिलाफ कोई आपत्तिजनक बयान, विज्ञापन या सोशल मीडिया पोस्ट जारी नहीं करेंगे। कोर्ट ने इसके लिए एक सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 1 मई को तय की। रामदेव की ओर से वकील राजीव नैय्यर ने कोर्ट को बताया कि विवादित वीडियो को हटाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं और उनका मानना है कि मामला यहीं खत्म हो गया है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि वीडियो देखने के बाद उन्हें अपने कानों और आंखों पर यकीन नहीं हुआ। दरअसल, 3 अप्रैल को रामदेव ने पतंजलि के गुलाब शरबत का प्रचार करते हुए हमदर्द पर विवादित टिप्पणी की थी। एक वायरल वीडियो में उन्होंने दावा किया कि हमदर्द अपनी कमाई से मस्जिद और मदरसे बनवाता है। रामदेव ने 'शरबत जिहाद' शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि हमदर्द का शरबत पीने से मस्जिद और मदरसे बनेंगे, जबकि पतंजलि का शरबत गुरुकुल, आचार्यकुलम और भारतीय शिक्षा बोर्ड को बढ़ावा देगा। उन्होंने हमदर्द के शरबत को 'लव जिहाद' और 'वोट जिहाद' से जोड़ा। इस बयान से आहत होकर हमदर्द ने हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने रामदेव के बयानों को सांप्रदायिक और आपत्तिजनक मानते हुए सख्त रुख अपनाया।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 के परिणाम घोषित, प्रयागराज की शक्ति दुबे ने किया टॉप

एजेंसी

नई दिल्ली । संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2024 के परिणाम घोषित कर दिए हैं। परीक्षा में प्रयागराज की शक्ति दुबे ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, हर्षिता गोयल ने दूसरा, डोंगरे अर्चित पराग ने तीसरा, शाह मार्गी चिराग ने चौथा, आकाश गर्ग ने पांचवां, कोमल पुनिया ने छठा और आयुषी बंसल ने सातवां स्थान हासिल किया है। पहला स्थान हासिल करने वालीं शक्ति दुबे ने राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध को अपने वैकल्पिक विषय के रूप में लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में स्नातक (बी.एससी.) किया है।दूसरा स्थान हासिल करने वालीं हर्षिता गोयल ने एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा से स्नातक (बी.कॉम.) ने राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध को वैकल्पिक विषय के रूप में रखा था। वीआईटी, वेल्लोर से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक.) डिग्री धारक डोंगरे अर्चित पराग ने दर्शनशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में रखते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। शाह मार्गी चिराग जो गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बी.ई. हैं, ने समाजशास्त्र को वैकल्पिक विषय में लिया था और उन्होंने चौथा स्थान प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

हंटरगंज में पृथ्वी दिवस पर चलाया गया जागरुकता अभियान,वन विभाग ने किया पौधा का वितरण

हंटरगंज/चतराः- जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव के निदेर्शानुसार मंगलवार को लगभग 3 बजे पृथ्वी दिवस के अवसर पर हंटरगंज वन विभाग परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विधिक सहायता एवं सलाह केंद्र प्रखंड कार्यालय हंटरगंज के पीएलवी कुमार विवेक रंजन और सरयू यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हंटरगंज वन विभाग के वनपाल पवन कुमार सहित कई वनकर्मी और ग्रामीण शामिल हुए।जागरूकता कार्यक्रम में वनपाल पवन कुमार और पीएलबी कुमार विवेक रंजन एवं सरयू यादव ने पृथ्वी दिवस पर लोगों को जल जंगल और जमीन के संरक्षण पर विशेष रुप से प्रकाश डाला। लोगों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए उत्प्रेरित किया। मानव के गलती के कारण पृथ्वी पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से भी लोगों को अवगत कराया। साथ ही कार्यक्रम में शामिल लोगों को सरकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए उक्त योजनाओं का लाभ लेने हेतु उत्प्रेरित किया गया। पृथ्वी दिवस का अवसर पर वन विभाग के द्वारा लोगों के बीच पौधा का वितरण भी किया गया ।

उपायुक्त हेमंत सती ने लघु सिंचाई व गंगा पम्प नहर प्रमंडल की योजनाओं की समीक्षा की

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें लघु सिंचाई प्रमंडल, साहेबगंज एवं गंगा पम्प नहर प्रमंडल, साहेबगंज के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तावित योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली गई और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।लघु सिंचाई प्रमंडल द्वारा जिले में निमार्णाधीन 6 चेक डेम और दो तालाबों जीर्णोद्धार की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां चेक डेम का निर्माण पूर्ण हो चुका है, वहां किसानों को सिंचाई के लिए सोलर मोटर पम्प या डीजल मोटर पम्प की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर की जाए। साथ ही मध्यम सिंचाई योजना से जुड़े मुद्दों की भी जानकारी ली गई।वहीं गंगा पम्प नहर प्रमंडल द्वारा बोरियो प्रखंड के चानन गांव में एसटीपी के डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में तथा डब्ल्यूटीपी के सामने गंगा नदी के दाहिने किनारे पर चल रहे कटाव रोधी कार्यों की समीक्षा की गई। इन कार्यों में 117 मीटर लंबाई में किनारा निर्माण, 180 मीटर क्षेत्र में चार स्टड का निर्माण और उधवा प्रखंड के पूर्वी प्राणपुर से श्रीधर कॉलोनी-10 तक कटाव रोधी कार्य शामिल हैं। उपायुक्त ने इन सभी कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।बैठक में गंगा पम्प नहर प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता प्रेम कुमार सोरेन सहित विभागीय सहायक अभियंता (AE) और कनीय अभियंता (JE) भी उपस्थित रहे।

हरियाली है जीवन की पहचान विद्यार्थियों ने लगाई हरियाली की नींव

सुमन की कलम से

देवघर। पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल के अवसर पर देवघर स्थित आशा अकादमी, जो सरकारी नौकरी की तैयारी कराने वाला प्रतिष्ठित संस्थान है, में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पेड़ लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। कार्यक्रम में दर्जनों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संकल्प लिया कि वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। वृक्षारोपण के माध्यम से उन्होंने धरती माता के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। संस्थान के डायरेक्टर कन्हैया सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से निपटने के लिए वृक्षारोपण ही सबसे प्रभावी उपाय है। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ हमारा वादा है। इस कार्यक्रम में सुशांत कुमार,रोशन शर्मा, शिवम शर्मा, नितेश शर्मा, दीपक मांझी, मिंटू मांझी, रवि कुमार कापरी, रोशन कुमार,प्रकाश कुमार यादव, सुमन कुमार, कोमल शर्मा,चीकू कुमार,आकाश कुमार, मीनाक्षी कुमारी, पूजा प्रिया, रितिका कुमारी समेत कई विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के माध्यम से आशा अकादमी ने यह संदेश दिया कि पृथ्वी दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि पूरे वर्ष भर प्रकृति के साथ समर्पण और समभाव का प्रतीक होना चाहिए।

कोल डंपिंग रोड विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा, रात के अंधेरे में बना दी गई चारदीवारी, आवागमन बाधित

केरेडारी

एनटीपीसी केरेडारी और चट्टोबारीयातू कोल परियोजना से कोयला डंपिंग के लिए बनाई गई 2.2 किमी लंबी सड़क का विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन स्थानीय लोगों द्वारा सड़क को काटने और टेंट लगाकर उसे अवरुद्ध करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। बीती रात अज्ञात लोगों ने पगार ओपी क्षेत्र में इस गैर-मजरूआ सड़क पर चार-दीवारी खड़ी कर दी, जिससे सड़क पूरी तरह से बंद हो गई है। इसके कारण जोरदार, पचड़ा और आसपास के गांवों के हजारों लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि रात के अंधेरे का फायदा उठाकर अचानक सड़क पर बाउंड्री बना दी गई। ग्रामीणों की मांग है कि यदि समय रहते डंपिंग रोड 2.2 को चालू नहीं किया गया, तो कोयला डंपिंग का कार्य पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। स्थिति को देखते हुए प्रशासन की भूमिका और कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों की मांग है कि अवरुद्ध सड़क को जल्द से जल्द बहाल किया जाए और दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए।

श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ

चौथी दिन(नवमी)घृताधिवाशएवं वस्त्राधिवास

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज 22 अप्रैल 2025 को मोराबादी स्थित यज्ञा बाबा आश्रम के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण, देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत कथा मे चौथे दिन आचार्य श्याम सुंदर शर्मा भा-रद्वाज ने महायज्ञ मंडप में सभी भक्तों एवं श्रद्धालुओं के साथ मिलकर देव पूजन के साथ साथ घृताधिवास,वस्त्राधिवास विधिवत मंत्रोच्चार पूजा अर्चना किया वहीं आज शाम मे कथा वाचक गया पीठाधीश्वर श्री स्वामी वैंकटेश प्रसन्नाचार्य जी महाराज ने अपने मधुरवाणी से भागवत की महिमा को सुनाया। उन्होंने आज के कथा में ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि मात्र भगवान जी का नाम जपने से ही भगवान जी की प्राप्ति हो जाती है और भगवान जी उन्हें दर्शन भी देते हैं और उनके समस्त पापों का हरण भी कर लेते हैं आगे कथा वाचक ने बताया आप अनंत जन्मों के पापी भी हो तो भी भगवान जी का नाम जाप करने से आपके सारे पाप नष्ट हो जाएंगे और आपको भगवान जी की प्राप्ति अवश्यं होगी। इस संसार में सुख शांति से रहने का सरल उपाय है भगवान जी के नाम का जाप एवं संकीर्तन करते रहिए।इस पूरे प्रसंग को भक्तिमय एवं संगीतमय भजन से भी बतलाए। आज के इस धार्मिक महायज्ञ मे मुख्य यजमान के रूप मे संतोष कुमार पांडेय व रवीना पांडेय,हर्ष कुमार व श्रुति श्रेया,अयोध्या बक्षी,अमित विक्रम और निधि शर्मा,राकेश शर्मा व प्रिया शर्मा सपरिवार शामिल थे। आज के भागवत कथा के दौरान रांची के उभरते नन्हें कलाकार अबीर दयाल सत्संगी ने कई भजन गाकर सभी भक्तों को नचाया एवं झूमया। आज के समारोह मे मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रांची के विधायक सी.पी.सिंह महायज्ञ व भागवत कथा में शामिल होकर महराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किए और महायज्ञ की परिक्रमा करते हुए भगवान जी की अराधना भी किए। आज के कथा में मुख्यरूप से यज्ञा बाबा आश्रम के मुख्य प्रबंधक महंत भरत दास जी महाराज,मंदिर के मुख्य पुजारी विकास पांडेय,हजारीबाग के पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय,गो सेवा आयोग झा-रखंड के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद,पलामू के पूर्व सांसद ब्रजमोहन राम, आशुतोष द्विवेदी,शिव किशोर शर्मा,ऋषिकेश लाल,अजीत कुमार,मनोज गुप्ता,विनोद गोप, संजय सोनी,रमेश प्रसाद,श्याम पांडेय,चंदन पांडेय,सुनील कुमार,रूपम झा,सिंधुबाला, सुनीता देवी,स्मिता शुक्ला,सोना मण्डल,प्रीति झा,सुषमा सिंह, प्रतिभा सिंह,ऋषिका,प्रियता सिन्हा,रमन शर्मा सहित कई गणमान्य श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

डीएवी भंडारकोला में विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

देवघर। भंडारकोला स्थित गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया।

इस कार्यक्रम की कड़ी में सबसे पहले प्रातः कालीन सभा में बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने भिन्न भिन्न प्रकार के मॉडल को प्रदर्शित किया जिसके द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया गया। प्रातः कालीन सभा को संबोधित करते हुए प्राचार्य बलराम कुमार झा ने कहा कि इस दिवस को मनाने की परंपरा की शुरूआत अमेरिका में 1970 में जेराल्ड नेल्सन के द्वारा हुई। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण पर जोर देना है ।उन्होंने आगे कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस 2025 का विषय हमारी शक्ति, हमारा ग्रह है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस सिलसिले में विद्यालय में वर्ग अष्टम से दशम तक के बच्चों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसका विषय था पॉल्यूशन फ्री वर्ल्ड फॉर हेल्दी लिविंग जिसमें 42 बच्चों ने भाग लिया।इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सहोदया के अध्यक्ष राम सेवक सिंह गुंजन तथा रेड रोज विद्यालय के प्रिंसिपल अनिल कुमार पांडे उपस्थित थे। इन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित किया और भाषण कला के विषय में जरूरी जानकारी दी। उक्त आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी अभिषेक सूर्य ने दी।

संस्कार भारती के देवघर इकाई ने मनाया भूअलंकरण दिवस

देवघर। कला के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती ने देवघर कॉलेज के प्रांगण में भू अलंकरण दिवस मनाया।संस्कार भारती के कलाकारों ने रंगोली संयोजिका गीता कुमारी और संगीत संयोजिका राज नंदिनी के नेतृत्व में भारत माता को अलंकृत करते हुए रंगोली बनाया। केंद्र द्वारा निश्चित डिजाइन के आधार पर रंगोली बनाई गई। प्रति वर्ष संस्कार भारती इस आयोजन को करती है। रंगोली देखने काफी संख्या में लोग पहुंचे।संस्कार भारती के सचिव अभिषेक सूर्य ने कहा कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहां धरती को माँ कहा गया है। भारत के हरेक प्रांत में मांगलिक कार्यक्रम में विभिन्न माध्यमों से धरती माता का श्रृंगार किया जाता है। श्रृंगार के इस स्वरूप को भूमि अलंकरण कहा गया है। संस्कार भारती कला क्षेत्र की संस्था होने के नाते धरती माता के प्रति अपनी श्रद्धा को इस प्रकार अभिव्यक्त करती है। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य शिव शंकर साह, संतोष कुमार सिंह,उदय पांडे, सार्थक, सौम्य, अंशिका, अक्षिका, उमा, सान्वी मोदी, अभिनन्दिनी आन्या, आदशा कशिश, तुरवी प्रियदर्शी, अनुप्रिया, ऋचा, लिली आर्या, अजित कुमार, निकिता कुमारी और युग विशेष रूप से मौजूद थे।

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को किया जागरूक

प्रकृति का अत्यधिक दोहन से प्राकृतिक आपदाएं आने का खतराः मनीष

विकास कुमार यादव

हंटरगंज/चतराः- पृथ्वी दिवस पर शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव के निर्देश पर पैनीकला पंचायत में जागरूकता शिविर का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया।इस मौके पर पीएलवी मनीष रजक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती केवल संसाधन ही नहीं अपितु जीवन का आधार भी है. पर्यावरण संरक्षण में पालीथिन का इस्तेमाल न करें. उन्होंने आगे बताया कि समस्त प्राणियों को प्रकृति के नियमों का पालन करना चाहिए। प्रकृति और मनुष्य के मध्य संतुलन होने पर ही पृथ्वी को सुरक्षित रखा जा सकता है.अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने वर्ष 1970 में पृथ्वी संरक्षण के लिए पृथ्वी दिवस की शुरूआत की। हमें फलों के बीजों को साफ कर-के अपने पास रखना चाहिए। जब भी कहीं जाएं, उन बीजों को रास्ते में डालते हुए जाएं, जिससे काफी पेड़ ऐसे ही उगाए जा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सीड बम का प्रयोग किया जा रहा है, जिसमें बीजों को सूखी मिट्टी में सुरक्षित रखकर जंगलों में फेंका जाता है, जिससे वन्य क्षेत्र का विस्तार हो सके . पृथ्वी को हम मां का दर्जा देते हैं, जीवित रहने के लिए यह पृथ्वी ही हमें भोजन, जल एवं वायु देती है, यदि हम प्रकृति का अत्यधिक दोहन करेंगे तो इससे प्र-ाकृतिक आपदाएं आने का खतरा अत्यधिक बढ़ जाता है। शिविर में पीएलवी मनीष रजक के अलावे दर्जनों ग्रामीण महिलाएं, आदि मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ ने पृथ्वी दिवस

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःझालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर डीएलएसए सचिव रूपा वंदना किरो के मार्गदर्शन में पाकुड़ प्रखंड के अंजना उच्च विद्यालय पृथ्वीनगर में विश्व पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिका-री समीर अल्फ्रेड मुर्मू ने बताया कि प्रकृति से यदि हम छेड़ छाड़ करेंगे तो संतुलन बिगड़ जाएगा और पृथ्वी पर जीना मुश्किल हो जाएगा इसलिए हम संकल्प ले कि नदी , जंगल , अथवा प्रकृति से किसी भी प्रकार का छेड़ छाड़ न करे। संरक्षण करे ताकि जीवन संभव हो सके। और स्वस्थ हरियाली वातावरण हम सब रह सके। वहीं कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ संजीव कुमार मंडल सहायक गंगाराम टुडू ने संयुक्त रूप से जागरूक की। बताया कि हर साल 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। यह दिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को प्रकृति के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए मनाया जाता है ।लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस आयोजन ने लोगों को पर्यावरण की रक्षा करने और एक स्वस्थ भविष्य के लिए काम करने के महत्व के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करते हुए कहा लोगों द्वारा कई प्रकार से प्रदूषण के बढ़ावा को रोकना जरूरी, पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने, पेड़ पौधे लगाए स्वच्छ और हरियाली बनाए, जल का दुरूपयोग न करें जल संरक्षण कर पृथ्वी को संतुलित वातावरण बनाए रखने में हम सभी का योगदान का होना अत्यंत जरूरी है। पेड़ पौधे के कट जाने से आज अत्यंत गर्मी जैसे समस्या उत्पन्न हो रही। समेत संरक्षण को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदु पर चर्चा की गई। मौके पर पीएलवी अमूल्य रत्न रविदास, एजारूल शेख समेत ग्रामीण उपस्थित रहे।

बरही की बेटी आस्था बनी आईएएस, यूपीएससी में 354वां रैंक हासिल कर किया क्षेत्र का नाम रौशन

समाज में अपना योगदान देने के उद्देश्य से यूपीएससी की तैयारी शुरू की, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करना होगी हमारी प्राथमिकता : आस्था शरण

बरही/धनंजय कुमार

हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड के जरहिया गांव की बेटी आस्था शरण ने अपने दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम और अथक प्रयास से वह मुकाम हासिल किया है, जिसकी तमन्ना देश के लाखों युवा करते हैं। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2024 में उन्होंने ऑल इंडिया 354वीं रैंक हासिल कर न सिर्फ अपने गांव और परिवार का, बल्कि पूरे हजारीबाग का नाम रोशन कर दिया है। आस्था शरण एयरफोर्स से सेवानिवृत्त शिव शरण की इकलौती बेटी हैं। उनके दादा दिनेश यादव जरहिया गांव के प्रतिष्ठित नागरिक हैं, जबकि उनके चाचा शशि भूषण यादव और शम्भू शरण यादव भी समाज में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। आश्था की सफलता से पूरे परिवार में हर्ष का माहौल है, वहीं गांव में भी जश्न का माहौल है। आस्था की प्रार्भिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय, चंडीगढ़ में हुई। उन्होंने यहीं से मैट्रिक और इंटरमीडि-एट की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी बीएचयू से उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। कॉलेज के दौरान ही उनका कैंपस सिलेक्शन हुआ, जहां उन्होंने दो वर्षों तक वर्क फ्रॉम होम के माध्यम से सेवाएं दीं। हालांकि इंजीनियरिंग और नौकरी की राह पर सफल होने के बावजूद, आस्था का सपना था भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाना। इस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने दिल्ली में एक वर्ष तक पूरी निष्ठा से यूपीएससी की तैयारी की। पहले प्रयास में वे महज 9 अंकों से असफल रहीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अपने दूसरे प्रयास में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में 354वीं रैंक प्राप्त की। आस्था की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से जरहिया गांव, बरही प्रखंड और संपूर्ण हजारीबाग में खुशी की लहर है। सोशल मीडिया से लेकर हर जगह सिर्फ आस्था की चर्चा है। लोग गर्व से उनका नाम ले रहे हैं और उन्हें आने वाले प्रशासनिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। आस्था ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और परि-वार के अन्य सदस्यों को दिया है। उनका कहना है कि अगर सपनों को हकीकत में बदलना है, तो समर्पण, अनुशासन और धैर्य जरूरी है। असफलता से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उसे अनुभव के रूप में लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उनकी सफलता यह भी दशार्ती है कि छोटे गांवों से निकलने वाले युवा भी यदि संकल्प लें, तो देश की सबसे कठिन परीक्षा में भी सफलता पाई जा सकती है। आज आस्था न सिर्फ एक होनहार बेटी हैं, बल्कि हजारों युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बन चुकी हैं। आस्था शरण की यह उपलब्धि साबित करती है कि दृढ़ निश्चय और कठिन परिश्रम से कोई भी सपना असंभव नहीं है। उनका सफर यह भी बताता है कि असफलता, सफलता की पहली सीढ़ी हो सकती है, अगर इंसान में उसे स्वीकार कर दोबारा प्रयास करने का साहस हो। आस्था की यह यात्रा आने वाले कई युवाओं को अपने सपनों के पीछे भागने और उन्हें स-ाकार करने की प्रेरणा देती रहेगी।

32 लाख की नौकरी छोड़ यूपीएससी की तैयारी शुरू की, पाई 354वीं रैंक :

एक शानदार मिसाल पेश करते हुए एक युवा ने 32 लाख रुपये के वार्षिक पैकेज की नौकरी छोड़कर सिविल सेवा की तैयारी का जोखिम उठाया और मेहनत रंग लाई। उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 354वीं रैंक हासिल की है। उच्च वेतन और कॉरपोरेट जीवन की सुविधा छोड़कर इस युवा ने राष्ट्र सेवा का सपना देखा और उसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की। अब यह सफलता न सिर्फ उनके लिए, बल्कि उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो जीवन में बड़ा लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

पूर्व में रही हैं आईआईटी की छात्रा, आईआईटी बीएचयू से की पढ़ाई :

संघ लोक सेवा आयोग में 354वीं रैंक हासिल करने वाली प्रतिभाशाली उम्मीदवार पहले भी शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता दिखा चुकी हैं। वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की पूर्व छात्रा रह चुकी हैं और उन्होंने आईआईटी बीएचयू से अपनी पढ़ाई पूरी की है। तकनीकी शिक्षा के इस प्रतिष्ठित संस्थान से स्नातक करने के बाद उन्होंने कॉरपोरेट सेक्टर में शानदार नौकरी हासिल की, लेकिन देश सेवा के अपने सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने सबकुछ छोड़कर यूपीएससी की तैयारी शुरू की। आज उनकी मेहनत और लगन रंग लाई है, और वे देशभर के युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन गई हैं।

मठिया गांव में गोबर गैस प्लांट का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, 8 परिवारों को मिल रहा सीधा लाभ

साहिबगंजः स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत गोवर्धन योजना के तहत साहिबगंज जिले के मठिया गांव में निर्मित गोबर गैस प्लांट का निरीक्षण उपायुक्त हेमंत सती द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली, लाभार्थियों की प्रतिक्रिया और संचालन की व्यवस्था की जानकारी ली।यह गोबर गैस प्लांट गांव के आठ परिवारों को जोड़कर संचालित किया जा रहा है, जिससे उन्हें स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिल रही है। इससे न केवल रसोई गैस की समस्या का समाधान हुआ है, बल्कि गोबर का बेहतर उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिल रही है। उपायुक्त ने बताया कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और पशु अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है।निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने प्लांट से मिलने वाले लाभ की सराहना की और कहा कि इससे उनके खर्च में कमी आई है। उपायुक्त हेमंत सती ने संबंधित को निर्देश दिया कि इस योजना का विस्तार अन्य गांवों तक भी किया जाए ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के तहत पहाड़िया समुदाय को स्वरोजगार के लिए मिला प्रशिक्षण

साहिबगंज : मंगलवार को मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के तत्वावधान में आत्मनिर्भर साहिबगंज की परिकल्पना को साकार करने हेतु मंडरो प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस पहल के तहत मंडरो के बसहा गांव में पहाड़िया जनजाति के युवाओं को बांस शिल्प (बांस हस्तकला) प्रशिक्षण प्रदान किया गया, वहीं जानिभिठा पहाड़ क्षेत्र की पहाड़िया महिलाओं को सॉफ्ट टॉयज निर्माण का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के नए अवसरों से जोड़ा गया।इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य जनजातीय समाज को स्वरोजगार, आर्थिक सशक्तिकरण और कौशल विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके।कार्यक्रम में प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान, डिजाइन कौशल, और विपणन के आधुनिक तरीकों से भी अवगत कराया, जिससे वे भविष्य में स्थानीय बाजार के साथ-साथ बाहरी बाजा-रों में भी अपने उत्पादों को बेच सकें।यह पहल न केवल पहाड़िया समुदाय के लिए रोजगार सृजन का अवसर है, बल्कि यह जनजातीय सशक्तिकरण और स्थायी ग्रामीण विकास की दिशा में एक सशक्त कदम है।

संक्षिप्त समाचार

लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया पृथ्वी दिवस

कोडरमा विजय यादव

झुमरी तिलैया स्थित लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल में पृथ्वी दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य नितेश कुमार यादव ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य प्रदूषण और वनों की कटाई से धरती को बचाना है। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाने और सफाई जैसे कार्यों में भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम में बच्चों ने ₹पृथ्वी हम बचाएंगे, हरा-भरा हम बनाएंगे₹ जैसे नारों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षकगण, अनुपमा यादव प्रेम कुमार रिया सिंह पूनम सिंह विश्वजीत कुमार ऋषभ कुमार मलका शेख ममता कुमारी शीतल कुमारी आरूषी कुमारी अभिभावक जानकी गोप दिलीप यादव विजय यादव रणवीर सिंह और छात्र उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने की पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अनुदान प्राप्त लाभकों को पशुधन उपलब्ध कराने हेतु पशु मेला का रोस्टर तैयार करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी लाभुकों को शीघ्र योजना का लाभ देने हेतु निर्देशित किया। साथ ही उपायुक्त ने 25 अप्रैल को सभी पशुपालकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रविन्द्र भवन में आयोजित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने पशुपालन विभाग की योजनाओं से लाभान्वित लाभुकों से संबंधित केस स्टडी/ सक्सेस स्टोरी ऑडियो विजुअल फॉर्मेट में तैयार कर उपस्थापित करने का निर्देश दिया गया।

डी ए वी स्कूल में बच्चों ने मनाया पृथ्वी दिवस

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़, स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को विद्यालय के प्रार्थना सभा में बच्चों द्वारा पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न वर्ग के छात्रों द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता एवं नाट्य कला का प्रदर्शन किया गया एवं यह संदेश दिया गया कि हमें किस प्रकार अपने पृथ्वी रूपी घर को हरा भरा रखना है। बच्चों ने अपने प्रस्तुति में धरती बचाओ जीवन बचाओ नारे के साथ इस पृथ्वी को हरा भरा रखने का संकल्प लिया। विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति में बच्चों ने पेड़, सूर्य एवं बादल का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने बताया कि पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है चूंकि इस दिन स्कूल की छुट्टी नहीं होती है और यह शैक्षणिक संस्थानों के लिए छात्रों को मजेदार, सार्थक, पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों में शामिल होने का बेहतरीन अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने आगे बताया कि यह गतिविधियां न केवल सीखने को बढ़ावा देती है बल्कि छात्रों को जिम्मेदार, पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिक बनने के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

वक्फ बचाव संविधान बचाओ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए मंत्री व विधायकों को किया गया आमंत्रित

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - 26 अप्रैल को चान्हो के बलसोकरा में वक्फ बचाव संविधान बचाओ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए झारखंड सरकार के कृषि पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री इरफान अंसारी और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ओ कांग्रेस नेता बंधु तिर्की कांग्रेस विधायक सुरेश कुमार बैठा को आयोजकों के द्वारा शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। मंगलवार दोपहर 3 बजे जानकारी देते हुए समाजसेवी मोहम्मद मुजीबुल्लाह ने कहा कि वक्फ कानून 2025 का जिन दलों के नेताओं ने विरोध किया है उन दलों के नेताओं को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया जा रहा है वहीं झारखंड बिहार उड़ीसा के अमीर ए शरीयत मौलाना सैयद फैसल वाली रहमानी भी कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अंजुमनों व कई सामाजिक संगठनों का भी साथ मिल रहा है यह कार्यक्रम क्षेत्र का सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा जिससे सरकार को भी असर डालेगा।

पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ जागरूकता रैली का आयोजन'

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झौसागड़ी दुखी शाह रोड स्थित संदीपनी पब्लिक स्कूल में हरे और नीले रंग की थीम पर आधारित ₹पृथ्वी दिवस ₹ बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, धरती माता के सम्मान और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना को उजागर करने हेतु विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा से हुई, जहां शिक्षकों ने बच्चों को धरती, पेड़-पौधों और मानव जीवन के बीच के गहरे संबंध को सरल और प्रभावशाली भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि यदि हमें धरती को बचाना है तो वृक्षारोपण, जल-संरक्षण और स्वच्छता जैसे छोटे प्रयासों को दैनिक जीवन में अपनाना होगा। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अनेक नारे लगाए गए। ₹पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ₹, ₹धरती मां पुकारे हमें, अब तो कुछ उपकार करें₹ जैसे नारों से गूंजती रैली ने पूरे वातावरण को संदेशमय बना दिया। रैली में भाग लेने वाले बच्चे हरे भरे वेशभूषा में सजे हुए थे। विशेष रूप से कुछ बच्चों ने पेड़, पौधे, जलधाराएँ, सूरज और धरती का रूप धारण कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यालय परिसर को भी हरियाली और सजावटी पौधों से सजाया गया था। कक्षा तीन से आठ के बच्चों के बीच पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने अपनी-अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया 10 सर्वश्रेष्ठ पोस्ट को चुनकर पुरस्कृत किया गया' कुछ बच्चों के बीच प्रतीकात्मक रूप से स्कूल के द्वारा पौधे वितरित किए गए ताकि वे उन्हें अपने घर ले जाकर उसका पालन-पोषण करें और एक हरियाली युक्त भविष्य का निर्माण करें। इस दौरान 'हर घर दस पौधा' का संदेश प्रमुखता से दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या महोदया ने सभी बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन की चेतावनी है कि हम प्रकृति को उसके मूल रूप में बनाए रखने के लिए कर्तव्यनिष्ठ बनें। यह कार्यक्रम न केवल बच्चों के लिए एक रचनात्मक मंच बना, बल्कि उन्हें प्रकृति के साथ आत्मीय जुड़ाव की भावना भी प्रदान कर गया। बच्चे काफी उत्साहित दिखे और उन्होंने पृथ्वी को बचाने की प्रतिज्ञा ली क्योंकि उन्हें अच्छी तरह से पता चल गया कि अगर पृथ्वी पर पेड़ नहीं होंगे तो मानव जीवन भी नहीं बचेगा, क्योंकि पेड़ मानव की जीवन वायु ऑक्सीजन उत्सर्जित करते है और हम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करते हैं जो पौधे अवशोषित कर लेते और हमारे पर्यावरण का संतुलन बना रहता है लिए अगर यह असंतुलित हुआ तो यह धरती वीरान हो जाएगी रैली के पश्चात बच्चों ने ठंडे-ठंडे शरबत का लुफ्त उठाया

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया चान्हो व मांडर प्रखंड में महिलाओं के बीच सिलाई मशीन व आपदा व दुर्घटना प्रभावितों के बीच चेक का वितरण

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर,चान्हो - कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मंगलवार को चान्हो व मांडर प्रखंड में जेएसएलपीएस की प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं के बीच सिलाई मशीन, आपदा प्रभावितों व दुर्घटना व वज्रपात के मृतकों के आश्रितों के बीच मुआवजा राशि के चेक का वितरण किया. मंत्री ने इस दौरान चान्हो में 36 व मांडर में 40 महिलाओं के बीच सिलाई मशीन व दर्जनों अन्य लोगों के बीच आर्थिक सहायता व मुआवजा राशि के चेक का वितरण किया और कहा कि झारखंड में सरकार के प्रयास से महिलाएं सबल हो रही हैं. कल्याण विभाग के सौजन्य से सिलाई मशीन के वितरण को गंभीरता से लेने की जरूरत है. अगर राज्य की महिलाएं सामूहिकता के साथ स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाती हैं तो यह कदम रोजगार के क्षेत्र में उनकी स्वतंत्र पहचान स्थापित करेगा. महिलाएं बेहतर ट्रेनिंग के साथ सहकारी समिति से जुड़ कर अपना भविष्य खुद संवार सकती हैं. उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में राज्य सरकार की कई योजनाओं का लाभ ग्रामीण नहीं उठा पाते हैं. इसके लिए प्रखंड के अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से निभानी होगी. अधिकारी योजनाओं के लाभुकों की सूची सूचना पट्ट पर लगाएं जिससे सही समय पर ग्रामीणों समय इसकी जानकारी मिल सके. मौके पर चान्हो में बीडीओ बरुन कुमार, सीओ संजीव कुमार, प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मो इश्तियाक, मंगलेश्वर उरांव, बीपीओ गुंजन कुमार, मुखिया शिव उरांव, दिलीप सिंह, अजीत सिंह, सुजीत शाही, इरशाद खान वहीं मांडर प्रखंड में सीओ सह प्रभारी बीडीओ चंचला कुमारी, प्रखंड प्रमुख फिलिप सहाय एक्का, उपप्रमुख अमानत अंसारी, जमील मलिक, सरिता तिग्गा, सेरोफिना एक्का सहित अन्य मौजूद थे!

ए एस महाविद्यालय के विज्ञान संकाय में विज्ञान भवन का हुआ उद्घाटन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज ए.एस.महाविद्यालय के विज्ञान संकाय में विज्ञान भवन का उद्घाटन सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय,दुमका के कुलपति डॉ बिमल प्रसाद सिंह के द्वारा किया गया। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव डॉ राजीव कुमार भी उपस्थित थे। महाविद्यालय में आगमन पर प्राचार्य डॉ त्रिपुरारी प्रसाद सिंह के द्वारा कुलपति को महाविद्यालय द्वार पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने संथाल नृत्य द्वारा उनका आगमन महाविद्यालय में किया। एनसीसी के द्वारा उन्हें सलामी दी गई। उसके बाद उन्होंने विज्ञान भवन का विधिवत फीता काट कर उद्घाटन और वृक्षारोपण भी किया। कुलपति और कुलसचिव द्वारा विज्ञान भवन का निरीक्षण किया गया और मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने का अश्वासन भी दिया। हॉल 01 में कुलपति महोदय, कुलसचिव, प्रभारी प्राचार्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। कुलपति को प्रभारी प्राचार्य के द्वारा बुके, शॉल और मोमेंटो द्वारा सम्मानित किया गया और कुलसचिव को कॉलेज के बरसर डॉ जानकी नंदन सिंह के द्वारा बुके और शॉल से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के शिक्षकेत्तर कर्मियों के द्वारा कुलपति महोदय को बड़ा माला पहनाया गया। स्वागत गान संगीत विभाग के बच्चों के द्वारा, गणेश वंदना बी.एड की छात्रा कुमारी भावना के द्वारा दी गई। मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति डॉ बिमल प्रसाद सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में सभी विभाग अपना अपना काम कर रही है और आप सभी मिलकर इसाको आगे बढ़ाने का काम करें और इसमें जो भी मदद हमारे द्वारा हो, हमारे पास आये और हमें बताएं मैं उसे पूरा करने का प्रयास करूंगा। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ राजीव कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय हर पहलू पर ध्यान देते हुए अपना काम कर रही है और शिक्षकों की कमी को पूरा किया है। इसके लिए आवश्यकता आधारित शिक्षकों को बहाल कर शिक्षकों की कमी को पूरा कर लिया गया है। बी.एड के विषय में उन्होंने बताया कि एनसीटीई के नियमानुसार शिक्षाकों की बहाली हेतु इंटरव्यू ले लिया गया है और जल्द ही बी.एड में शिक्षाकों की कमी को पूरा कर लिया जाएगा। प्रभारी प्राचार्य ने आज के इस प्रोग्राम के बारे में विस्तृत जानकारी दी और कहा कि विज्ञान की पढ़ाई आज से विधिवत विज्ञान भवन में होगी और महाविद्यालय से संबंधित सभी बिंदुओं को अवगत कराया। बी.एड के प्राध्यापक डॉ अभय कुमार सिंह के द्वारा अभिनंदन पत्र पढ़ा गया। मौके पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। जिसमें शिव वंदना, तबला सह बांसुरी वादन पवन जी के द्वारा, प्रिया कुमारी, माला कुमारी के द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। शिव तांडव रामजीवन यादव के द्वारा और नुक्कड़ नाटक रक्तदान महादान एनएसएस के स्वयंसेवकों के द्वारा प्रस्तुत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ अरविंद कुमार झा के द्वारा हुआ, मंच संचालन डॉ. भारती प्रसाद ने किया और अंत में राष्ट्रगान के बाद कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई। कार्यक्रम में कॉलेज के सभी शिक्षक एवं सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

सरवा थाना अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वाले पर किया गया चालान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम देवघर जिलान्तर्गत कोटपा अधिनियम 2003 की धरा को लागु करने हेतु, सिविल सर्जन देवघर डॉ०युगल किशोर चौधरी एवं डॉ० मनोज कुमार गुप्ता, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी-सह- नोडल पदाधिकारी एन०सी०डी०कोषांक देवघर के निदेर्शानुसार, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में कोटपा-2003 के अधिनियम, तम्बाकू एवं उनके उत्पाद की सार्वजनिक स्थानो पर धड़ल्ले से बिक्री को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ विभाग के एन०टी०सी०पी०(राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कर्यक्रम) देवघर से अभिमन्यु दांगी जिला सलाहकार एवं थाना प्रभारी सरवा एम.डी. मकबूल अंसारी (ASI) के द्वारा सयुक्त रूप से चलाया अभियान । तम्बाकू उत्पादकों को लेकर बने कोटपा-2003 अधिनियम के विभिन्न धाराओं को प्रभावी रूप से अनुपालन करने के लिए सरवा बाजार, चौक चोराहा एवं अन्य विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर कोटपा-2003 कानून का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध छापामारी की गई । इस दौरान 6 दुकानदारों से 450 रूपया जुमार्ना वसूला गया । जिसकी जानकारी देते हुए सरवा (अरक) मकबूल अंसारी एवं जिला परामर्शी अभिमन्यु कुमार दांगी ने बताया कि तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदार अपने दुकानों पर सिगरेट के विज्ञापन वाले पोस्टर लगा कर प्रचार- प्रसार करना धारा 5 उल्लंघन करना है, बिना चेतावनी फोटो वाले तम्बाकू उत्पाद की बिक्री करना धारा 7 उल्लंघन करना है, साथ ही ये भी देखा गया की स्कूल परिसर से एक सौ गज की दुरी पर किसी भी प्रकार के नशीली पदार्थ की बिक्री करना मना है जो की अधिनियम कोटपाझ2003 की धाराओ का सीधे उल्लंघन करना है आज छापेमारी के दौरान कई दुकानों से विज्ञापन वाले पोस्टर को हटाते हुए सुझाव दिया गया कि भविष्य में ऐसी गलती ना करें ।

झारखंड युवा कांग्रेस सोशल मीडिया टीम का हुआ गठन जिसमें अभिषेक दुबे बने स्टेट कोआर्डिनेटर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारतीय युवा काँग्रेस के द्वारा झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस सोशल मिडिया टीम की घोषणा की गई। नई कमिटी में देवघर के अभिषेक दुबे की सक्रियता एवं मेहनत को देखते हुए उन्हें स्टेट कॉर्डिनेटर के पद पर नियुक्त किया गया। वहीं देवघर युवा कांग्रेस के पूर्व नगर अध्यक्ष आशुतोष पासवान को प्रदेश कार्यकरणी सदस्य बनाया गया । प्रदेश सोशल मीडिया युवा कांग्रेस कमिटी की घोषणा पर देवघर काँग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय, जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल के साथ अन्य कांग्रेसी नेताओं तथा कार्यकताओं ने बधाई दी। इसी दौरान आभिषेक दुबे ने बताया कि मुझे झारखण्ड युवा काँग्रेस सोशल मीडिया का प्रदेश कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर मैं भारतीय युवा काँग्रेस के प्रभारी श्री कृष्णा अल्लावरु, राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, सोशल मीडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष मन्नू जैन, झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अभिजीत राज एवं झारखंड सोशल मीडिया प्रभारी एवं राष्ट्रीय सह संयोजक मनीष तिवारी का आभार प्रकट करता हूँ। मुझे जो भी जिम्मेदारी मिली है बखुबी पुरी इमानदारी से निर्वहन करुंगा।

अबुआ संवाद कक्ष का उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ समाहरणालय स्थित प्रथम तल पर नवनिर्मित आधुनिक अबुआ संवाद कक्ष का मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार एवं उप विकास आयुक्त श्री महेश कुमार संथालिया ने उद्घाटन किया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि समाहरणालय पाकुड़ में डिजिटल माध्यम से जनता तक पहुंच बनाने की एक अनूठी पहल की शुरूआत हुई है। यह हॉल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इससे प्रशासनिक कार्यों को और अधिक प्रभावी और सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों के अनुभवों एवं सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता के साथ साझा करना है। अबुआ संवाद नाम से शुरू किए गए इस पॉडकास्ट चैनल पर सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि इस पहल को सोशल मीडिया पर फैलने वाली गलत और भ्रामक सूचनाओं से निपटने का एक प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफार्म के माध्यम के जरिए सकारात्मक और प्रेरणादायक कहानियों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। ऐसा यूनिक पॉडकास्ट झारखंड में कहीं भी नहीं बनाया गया है।

मिशन मोड में किया जा रहा पशु पक्षियों का वितरण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना 2024-25 के तहत अनुदान प्राप्त लाभुकों को मिशन मोड पर पशु, पक्षी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस संबंध में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ० अनिल कुमार सिन्हा ने बताया की उपायुक्त महोदय के निदेर्शानुसार आगामी 15 मई तक अनुदान प्राप्त लाभुकों को शत-प्रतिशत पशु, पक्षी उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में जिले में प्रतिदिन अलग-अलग प्रखंडों में बकरी पालन, मुर्गी पालन, सूकर पालन एवं आदि से संबंधित लाभुकों को गुणवत्तापूर्ण पशुधन उपलब्ध कराया जा रहा है।

गायत्री परिवार का एक मासीय ज्योति कलश रथयात्रा 27 अप्रैल से,

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.आज अपराह्न 3 बजे गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम के साधना कक्ष में देवघर उपजोन समन्वयक बुधन बर्मा की अध्यक्षता में गायत्री परिवार द्वारा आयोजित जिला स्तरीय गोष्ठी का शुभारंभ वैदिक स्वस्तिवाचन से हुआ।उपजोन समन्वयक ने शांतिकुंज हरिद्वार का संदेश देते हुए जन्मशताब्दी वर्ष 2026 की महत्ता, युग निर्माण योजना एवं परम पूज्य गुरुदेव के विचार क्रांति अभियान को जन जन तक पहुंचाने के लिए विस्तृत जानकारी आत्मसात कराये। मीडिया को जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने बताया कि गायत्री तीर्थ हरिद्वार से दिव्य ज्योति कलश रथ 26 अप्रैल को गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम पहुंचेगी जिसका भव्य स्वागत योजना बनाया गया। देवघर जिला अन्तर्गत सभी प्रखंडों के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में ज्योति कलश रथयात्रा परिभ्रमण कर देवस्थापना, यज्ञ-हवन,दीप यज्ञ तथा संगीतमय प्रवचन के माध्यम से सनातन धर्म,समाज कल्याण और आध्यात्मिक चेतना को सबल करेगा। समाज में एकता और समर्पण की भावना को जाग्रत करेगा।27 अप्रैल से 26 म ई2025 एक महीना का कार्ययोजना,रूट चार्ट, रात्रि विश्राम तैयार किया गया। ज्योति कलश रथयात्रा के साथ साथ स्थानीय साधकों एवं चार पहिए वाहनों का काफिला चलेगा जिसमें धर्म ध्वज, बैनर,देव झांकियां तथा ध्वनि विस्तारक यंत्र से सज्जित रहेगा। गोष्ठी में सभी प्रखंडों से महिला मंडल, युवा मंडल प्रतिनिधि शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में जिला समन्वयक बरूण कुमार, मुख्य ट्रस्टी देवनारायण रजक, जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय, ब्रह्मचारी ज्ञान प्रकाश,रतन भारद्वाज, निशा देवी, शोभा बरनवाल, अनुपमा देवी, कांति देवी, मीरा देवी, महेंद्र प्रसाद यादव, कामदेव भैया आदि दर्जनों प्रतिनिधि शामिल हुए।

संघ में इजाजत : न्यौता या जाल !

>> विचार

"वर्ष 2018 में जब भागवत से गोलवलकर के उनकी किताब बंच ऑफ़ थॉट्स में मुसलमानों को शत्रु कहे जाने के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था कि बातें जो बोली जाती हैं, वह स्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संबंध में बोली जाती हैं, वह शाश्वत नहीं रहती हैं। अब गोलवलकर के विचारों के संकलन के नए संस्करण में आंतरिक शत्रु वाला प्रसंग हटा दिया गया है। कहने की जरूरत नही कि सिर्फ किताब में से ही हटाया गया है।

बादल सरोज

इन दिनों अब मुसलमानों पर हेज उमड़ रहा है। आजादी के बाद का सबसे बड़ा क़ानून बनाकर संपत्ति हड़पो घोटाला वक्फ कब्जा कांड करने के साथ ही देश के इस सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाकर बयान दागे जा रहे हैं। यह बात अलग है कि वे शब्दों में कुछ भी हों, भावों में और पंक्तियों के बीच के अर्थ में एक समान हैं। इसी तरह का एक बयान खुद संघ प्रमुख का है, जिसमे उन्होंने कहा है कि मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं। इसी के साथ यह दावा भी किया है कि संघ किसी की पूजा पद्धति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता। वे यहीं तक नहीं रुके, इससे आगे बढ़ते हुए यह भी बोले कि संघ केवल हिंदुओं के लिए नहीं है। संघ का दरवाजा हर जाति, संप्रदाय और धर्म के लिए खुला है। चाहे वह हिंदू हो, मुसलमान हो, सिख हो या ईसाई-हर कोई इसमें शामिल हो सकता है। संघ मतलब आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत वाराणसी में यह एकदम नयी पेशकश तब कर रहे थे, जब होली और जुमे को लेकर उन्हीं कुनबे द्वारा घमासान मचाया जा चुका था। यह बात वे उस उत्तरप्रदेश में कह रहे थे, जिसमें ईद की नमाज को कहां, कैसे, कब पढ़ना है, की सख्त हिदायते जारी की जा रही थी, खुले मैदानों की बात अलग रही, घर की छतों तक पर नमाज अदा करना प्रतिबंधित किया जा रहा था। यह बात वे तब कह रहे थे, जब उन्हीं के मंत्री, संत्री, मुख्यमंत्री, यहां तक कि खुद प्रधानमंत्री मुसलमानों के खिलाफ उन्माद भडकाने में पूरे प्राणप्रण से जुटे हुए थे। हालांकि इस एलान के साथ उन्होंने 'शर्तें लागू' का किन्तुक-परंतुक भी जोड़ा है। इन शर्तों में भारत माता की जय का नारा स्वीकार करना और भगवा झंडे का सम्मान करना तो है ही, एक अतिरिक्त चेतावनी भी नत्थी कर दी है कि जो खुद को औरंगजेब का वारिस समझते हैं, उनके लिए संघ में कोई जगह नहीं है। और जैसा कि इस तरह के बयान देने के पीछे का मकसद होता है, इस बार भी था, वही हुआ ; कईयों ने यह मानना शुरू कर दिया कि बताइये बेचारे को यूंही बदनाम करते रहते हैं, देखिये संघ तो मुसलमानों के लिए भी बाहें खोले खड़ा है। भले ही हिंदुत्व की विचारधारा से जुड़ा हो, लेकिन वह ऐसे मुस्लिमों को भी स्वीकार करने को तैयार है, जो भारत की संस्कृति को अपनाते हैं और राष्ट्रवाद में विश्वास रखते हैं। क्या सच में बात इतनी ही सीधी-सादी और सरल है? नहीं ! यह औरंगजेब के नाम पर योजनाबद्ध तरीके से सुलगाई गयी ध्रुवीकरण की भट्टी में खुद श्रीमुख से सूखी लकडियाँ झोंके जाने की कोशिश है। क्या भारत में ऐसा कोई मुसलमान है, जिसने अपने आपको औरंगजेब का वारिस बताया हो? कोई नहीं। अविभाजित भारत को भी जोड़ लें, तो ऐसा कोई है, जिसने औरंगजेब को अपना पुरखा या किसी भी तरह का नायक बताया हो? हाँ, वंशावली के आधार पर देखा जाए, तो औरंगजेब की एक सचमुच की वारिस और निकटतम जैविक रिश्तेदार जरूर हैं और वे राजस्थान में भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शोभा अवश्य बढ़ा रही हैं। बहरहाल बयानों की शिगूफेबाजी को अलग रखते हुए असल मुद्दे पर आते हैं कि जैसा कि भागवत साहब ने फरमाया है, क्या वैसा संघ में हो सकता है? क्या कोई मुसलमान या अहिंदू आरएसएस का सदस्य बन सकता है? बिल्कुल नहीं ! पहली बात तो यह है कि खुद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कहना है कि उसकी कोई औपचारिक सदस्यता नहीं होती। जो लोग आरएसएस की शाखाओं में भाग लेते हैं, उन्हें स्वयंसेवक कहा जाता है। अब स्वयंसेवक कौन बन सकता है? संघ के मुताबिक़ कोई भी हिंदू पुरुष स्वयंसेवक बन सकता है। यहां हिन्दू पुरुष पर गौर फरमाने की आवश्यकता है, क्योंकि यह वह संगठन है, जो दावा तो अखिल ब्रह्माण्ड के हिन्दुओं को एकजुट और संगठित करने का करता है, लेकिन जिसकी सदस्य महिलायें झ हिन्दू महिलायें भी - नहीं बन सकतीं। इसकी वेब साईट के एफएक्यू यानि 'फ्रीक्वेंटली आस्क्ड क्वेश्चंस' मतलब 'अक्सर पूछे जाने वाले सवालों' के अध्याय में लिखा गया है कि "उसकी स्थापना हिंदू समाज को संगठित करने के लिए की गई थी और व्यावहारिक सीमाओं को देखते हुए संघ में महिलाओं को सदस्यता नहीं दी जाती है, सिर्फ हिन्दू पुरुष ही इसमें शामिल हो सकते हैं, इसके स्वयंसेवक बन सकते है। सौवें साल में भी संघ महिलाओं के प्रवेश के बारे में कोई पुनर्विचार करने को तैयार नहीं है। बस इतना भर कहा गया है कि अपने शताब्दी वर्ष में महिला समन्वय कार्यक्रमों के ज़रिए वो भारतीय चिंतन और सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना चाहता है। बहरहाल फिलहाल चूँकि भागवत साहब ने अपने संघ में हिन्दू महिलाओं की नहीं, 'म्लेच्छ' मुसलमानों के दाखिले की बात की है, इसलिए उसी पर संघ की धारणा और नीति पर नजर डालना ठीक होगा। मुसलमानों के बारे में संघ की सोच की झलक इसके दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर की किताब बंच ऑफ़ थॉट्स" में मिलती है । गोलवलकर ने लिखा था, "हर कोई जानता है कि यहां- भारत में - केवल मुट्ठी भर मुसलमान ही दुश्मन और आक्रमणकारी के रूप में आए थे। इसी तरह यहां केवल कुछ विदेशी ईसाई मिशनरी ही आए। अब मुसलमानों और ईसाइयों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है। इसी रौ में वे आगे लिखते हैं कि वे मछलियों की तरह सिर्फ गुणन से नहीं बढे, उन्होंने स्थानीय आबादी का धर्मांतरण किया। हम अपने पूर्वजों का पता एक ही स्रोत से लगा सकते हैं, जहां से एक हिस्सा हिंदू धर्म से अलग होकर मुसलमान बन गया और दूसरा ईसाई बन गया। बाक़ी लोगों का धर्मांतरण नहीं हो सका और वे हिंदू ही बने रहे। यही वह किताब है, जिसमें गोलवलकर झ जिन्हें संघ अपना परम पूज्य गुरु मानता है ने मुसलमानों, ईसाइयों और कम्युनिस्टों को राष्ट्र का आंतरिक शत्रु बताया था। सनद रहे कि वर्ष 2018 में जब भागवत से गोलवलकर के उनकी किताब बंच ऑफ़ थॉट्स में मुसलमानों को शत्रु कहे जाने के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था कि बातें जो बोली जाती हैं, वह स्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संबंध में बोली जाती हैं, वह शाश्वत नहीं रहती हैं। अब गोलवलकर के विचारों के संकलन के नए संस्करण में आंतरिक शत्रु वाला प्रसंग हटा दिया गया है। कहने की जरूरत नही कि सिर्फ किताब में से ही हटाया गया है, एजेंडे में वह पहले से भी कही अधिक प्राथमिकता पर ले आया गया है। क्या इस सबसे भागवत जी ने किनारा कर लिया है? अब उनकी बाँहें और उनके संघ के दरवाजे मुसलमानों और बाकी अहिंदुओं के लिए खुल गए है? क्योंकि अगर ऐसा है, तो फिर इसे अपने संस्थापक के कहे से भी पल्ला झाड़ना होगा। अपने संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की स्वयं आरएसएस द्वारा प्रकाशित आधिकारिक जीवनी में से एक में यह साफ किया गया है कि हेडगेवार स्वतंत्रता संघर्ष से क्यों अलग हुए। जीवनी बताती है कि यह साफ़ है कि गांधीजी हिंदू-मुस्लिम एकता को हमेशा केंद्र में रखकर ही काम करते थे ... लेकिन डाक्टरजी को इस बात में खतरा दिखायी दिया। दरअसल वे हिंदू-मुस्लिम एकता के नए नारे को पसंद तक नहीं करते थे। 1937 में महाराष्ट्र के अकोला में सीपी एंड बरार (अब महाराष्ट्र) की हिन्दू महासभा के सावरकर की अध्यक्षता में हुए प्रांतीय अधिवेशन से लौटने पर, कांग्रेस छोड़ने की वजह पूछे जाने पर हेडगेवार का जवाब था क्योंकि कांग्रेस हिंदू-मुस्लिम एकता में विश्वास करती है। उनका मुस्लिम विरोध किस ऊंचाई का था, यह संघ के शुरुआती दिनों में उनके स्वयं के व्यवहार से समझ आ जाता है। उनकी एक जीवनी में बताया गया है कि मस्जिदों के आगे बैंड बाजा बजाने, शोर मचाने की कार्यविधि उन्हीं की खोज थी, जिसे संघ आज तक आजमा रहा है। जब कभी-कभी बैंड (संगीत) बजाने वाली टोली मस्जिद के सामने बैंड बजाने में हिचकिचाती थी, तो हेडगेवार "खुद ड्रम ले लेते और शांतिप्रिय हिंदुओं को उत्तेजित कर उनकी मर्दानगी को ललकारते थे।" गौरतलब है कि 1926 तक, मस्जिदों के बाहर ढोल-बाजे बजाना सांप्रदायिक दंगों के उकसाने की मुख्य वज़ह था। हेडगेवार ने हिंदुओं में आक्रामक सांप्रदायिकता उकसाने में निजी तौर पर भूमिका अदा की। इस तथ्य को उनके घनिष्ठ और आरएसएस के संस्थापक सदस्यों मे से एक रहे नागपुर की इस्पात मिल के मालिक अन्नाजी वैद का कथन पुष्ट करता है। उन्होंने बताया है : सन् 1926 में कई जगह हिंदू-मुसलमान दंगे होना प्रारंभ हुआ था। इसलिए हम लोगों ने तय किया कि हर एक मस्जिद के सामने से जुलूस निकलते समय ढोल बजने ही चाहिए। एक बार शुक्रवार के दिन जब वाद्य बजाने वाले एक मस्जिद के दरवाजे पर पहुंचे, तो संगीत बजाना बंद कर दिया। तब डाक्टरजी ने स्वयं ढोल खींच कर अपने गले में बांध कर बजाया। उसके बाद ही बाजा बजना प्रारंभ हुआ। क्या भागवत साहब ने हेडगेवार के इन सब किये-धरों को अनकिया करने का मन बना लिया है और सचमुच में आरएसएस को मुसलमानों और बाकी धर्मों के मानने वालों के लिए खोलने का फैसला कर लिया है? यदि हाँ, तो फिर वे अपने उस संविधान का क्या करेंगे, जिसमे कुछ और ही दर्ज किया हुआ है। गांधी हत्याकांड में प्रतिबंधित होने के बाद भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए और गोपनीयता से दूर रहते हुए और हिंसा से दूर रहते हुए राष्ट्रीय ध्वज को मान्यता देते हुए एक लोकतांत्रिक, सांस्कृतिक संगठन के रूप में कार्य करने की अनुमति हासिल करने के लिए बनाये गये संघ के संविधान में क्या इसकी गुंजाइश है संघ के इस संविधान की शुरुआत ही हिन्दू समाज में अलग-अलग पंथों, आस्थाओं, जाति और नस्लों, राजनीतिक, आर्थिक, भाषायी, प्रांतीय फ़र्कों को समाप्त कर हिन्दू समाज का सर्वोन्मुखी उत्थान" करने के वाक्य से होती है। संघ के साथ जुड़ने का एकमात्र तरीका उसका स्वयंसेवक बनना है और संविधान में स्वयंसेवक बनने के लिए ली जाने वाली शपथ में दर्ज है कि "सर्वशक्तिमान श्री परमेश्वर तथा अपने पूर्वजों का स्मरण कर मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने पवित्र हिन्दू धर्म, हिन्दू संस्कृति तथा हिन्दू समाज की अभिवृद्धि कर भारत वर्ष की सर्वांगीण उन्नति करने क लिए मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का घटक बना हूँ ...।" इस संविधान का पहला लक्ष्य ही "हिन्दू समाज के विविध समूहों को साथ लाना, उन्हें धर्म और सस्कृति के आधार पर पुनर्जीवित और पुनः युवतर करने" का है। क्या मुसलमानों, सिखों और बाकियों को शामिल करने के लिए भागवत अपने संघ का संविधान बदलेंगे? वे कुछ नहीं बदलने वाले। अपने इस तरह के दिखावटी बयानों से भी वे अपने एजेंडे को ही आगे बढ़ाने का जाल बिछा रहे होते हैं। ऐसे भ्रामक, निराधार और कभी भी अमल में न लाये जा सकने वाले बयानों के जरिये जहां जनता के एक हिस्से में वे अपने सुधेरे, सुथेरे और भले रूप की मरीचिका का आभास देना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर, मुस्लिम समुदाय के बारे ऐसा अहसास दिलाना चाहते हैं, जैसे वे इतनी बड़ी पेशकश को भी ठुकरा कर अपनी संकीर्णता का परिचय दे रहे हों।

(लेखक 'लोकजतन' के संपादक)

संपादकीय

बिलों पर कुंडली मार कर बैठना

गृह मंत्रालय में उपसचिव अथवा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी तय किए जाते हैं, जो राष्ट्रपति के आधार पर निर्णय लेते हैं और फिर राष्ट्रपति उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं। बेशक सवीच्च अदालत गृह मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है। दलीलें यहां तक दी गईं कि राष्ट्रपति देश के प्रधान न्यायाधीश और सवीच्च अदालत के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। एक नौकर नियोक्ता को निर्देश कैसे दे सकता है? दरअसल ऐसे निर्णय भी सरकार और कैबिनेट के स्तर पर लिए जाते हैं और फिर संबद्ध मंत्रालय द्वारा भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति हस्ताक्षर करते हैं। राष्ट्रपति एक मायने में, लिखित रूप से, नियोक्ता हैं और सरकार की कार्यप्रणाली के मुताबिक, नियोक्ता नहीं भी हैं। हमें नहीं लगता कि न्यायपालिका ने संवैधानिक लक्ष्मण-रेखाओं को पार किया है। बल्कि ऐसी हरकत भाजपा सांसदों ने की है। झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा-'इस देश में जितने गृहयुद्ध हो रहे हैं, उनके जिम्मेदार केवल यहां के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस संजीव खन्ना साहब हैं।' भाजपा सांसद ने यहां तक आरोप लगाया कि अदालत इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहती है। अदालत राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकती है? आपने नया कानून कैसे बना दिया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन माह में ही फैसला लेना है? बहरहाल भाजपा नेतृत्व ने यह अच्छा किया कि सांसदों की ऐसी टिप्पणियों से किनारा कर लिया और ऐसे बयानों को खारिज कर दिया। अलबत्ता यहां से राजनीति नया तूल ले सकती थी। सवीच्च अदालत ने भी कोई संज्ञान नहीं लिया और ऐसे बयानों को नजरअंदाज कर दिया। आजकल अधिकतर राज्यपाल 'राजनीतिक' होते हैं, लिहाजा बिलों को दबाते रहते हैं। पारित बिलों पर कुंडली मार कर बैठना उचित और संवैधानिक नहीं है

वैश्विक धरोहर बनती प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां

प्रमोद भार्गव

महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश पर आधारित श्रीमद्भगवद्गीता और भारत की ललित कलाओं का मूल ग्रन्थ मने जाने वाले भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र को यूनेस्को ने अपने स्मृतिकोश विश्व पंजीयन अभिलेख में शामिल किया है। यह कदम विश्व धरोहर दिवस 21 अप्रैल को उठाया गया है। यह पहल हमारे सनातन शाश्वत ज्ञान और समृद्ध विज्ञान सम्मत संस्कृति को वैश्विक मान्यता देती है। इन दोनों ग्रंथों में मानवता का संदेश देने के साथ जीवन को बेहतर बनाने के मार्ग दिखाए गए हैं। गीता दुनिया का एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसके सांस्कृतिक ज्ञान में विश्व कल्याण और सम्पूर्ण जीव-जगत की रक्षा की कामना की गई है। अतएव इन प्राचीन पांडुलिपियों को न केवल सहेजने की जरूरत है, बल्कि इनमें उल्लेखित ज्ञान विज्ञान को खंगालने की भी जरूरत है। भारत में प्राचीन पांडुलिपियां कितनी हैं, इनका सुसंगत अनुमान कठिन है। अनेक पांडुलिपि संग्रह व संरक्षण संस्थान ज्ञान-विज्ञान की पांडुलिपियों में भरे पड़े हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के निदेशक डॉ सुरेंद्रमोहन मिश्र कहते हैं कि लगभग डेढ़ करोड़ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा द्वारा संसद में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कहा गया था कि ब्रिटेन के संग्रहालय में मुख्य रूप से चार लाख पांडुलिपियां आज भी सुरक्षित हैं। यद्धपि वहां से अब तक 50 हजार पांडुलिपियां मंगाई जा चुकी हैं। इन पांडुलिपियों में खगोल गणित, ज्योतिश, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, रसायन, धातु विज्ञान, खेती-किसानी, अस्त्र-शस्त्र और आवागमन के साधनों से लेकर ईंधन की खोज और मानव मनोविज्ञान तक के धरातल की पड़ताल की गई है। पांडुलिपियों में सामाजिक जीवन के विविध पहलू संरक्षित हैं। प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां कितनी महत्वपूर्ण हैं, इस सिलसिले में एक प्रसंग यहां उद्घाटित है। संस्कृत के भोपाल के बड़े विद्वान और संस्कृत विष्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति रहे डॉ राधावल्लभ त्रिपाठी को लंदन की इंडिया हाउस लायब्रेरी में उपलब्ध सुंदरकवि द्वारा

रचित 'नाट्य-प्रदीप' पांडुलिपि की आवष्यकता थी। उक्त पुस्तकालय में उपलब्ध सूची की पुस्तकों में इस पांडुलिपि का नाम अंकित है। त्रिपाठी जी के मित्र पाठक जी लंदन जाते-आते रहते थे। अतएव उन्होंने पांडुलिपि के लाने का दायित्व पाठक जी को सौंप दिया। पाठक जी ने लंदन से लौट आने पर त्रिपाठी जी को नाट्य प्रदीप ग्रंथ की पांडुलिपि एक गोल डिब्बी में दी। त्रिपाठी जी अचंभित हुए तब पाठक जी ने बताया कि इस डिब्बी में एक माइक्रो चिप है। इसे माइक्रो फिल्म रीडर के माध्यम से कंप्युटर पर खोलकर प्रिंट आउट निकल आएंगे। भोपाल में तो यह काम संभव नहीं हुआ, तब उन्होंने दिल्ली के राष्ट्रीय कला केंद्र में जाकर प्रिंट निकलवाए। चार-पांच सौ पृष्ठ की नागरी लिपि में हस्तलिखित पांडुलिपि उनके हाथों में थी। उन्हें संदेह हुआ कि नाट्य-प्रदीप तो इतने पृष्ठों की नहीं है, फिर यह क्या ? परंतु भोपाल आने पर जब उन्होंने पांडुलिपि पढ़ना आरंभ की तो उनका संदेह सच निकला। वह नाट्य-प्रदीप की पांडुलिपि नहीं थी। हालांकि पांडुलिपि के प्रथम पृष्ठ पर शीर्षक व अन्य जानकारियां सूची के अनुरूप ही थीं। दरअसल वह महाकवि दंडी के 'दशकुमारचरित' के तीसरे खंड की अधूरी प्रति थी। त्रिपाठी जी ने इसे ऊंचे पेड़ पर लगा एक फल माना और अध्ययन-मनन में लग गए। अंत में त्रिपाठी जी ने पूरी पांडुलिपि पढ़ने के बाद निष्कर्ष निकाला कि यह पांडुलिपि उज्जैन के राजा विक्रमादित्य की कथा है। कालांतर में उन्होंने इस विक्रमादित्य कथा का गद्यानुवाद करते हुए उपन्यास का रूप दिया। इस उपन्यास को भारतीय ज्ञानपीठ ने छापा है। उपन्यास में खगोलीय घटनाओं और विक्रम संवत के प्रारंभ होने के विज्ञान सम्मत, आख्यान तो हैं ही, विक्रमादित्य के इतिहास नायक होने के तथ्य भी हैं। सच्चाई यह है कि इस औपन्यासिक कथा में ईसा के पहले की शताब्दी के भारत की एक व्यापक प्रस्तुति है। इस पांडुलिपि का प्राप्ती रोचक गाथा उपन्यास की भूमिका में दी है। पांडुलिपि के उपन्यास के रूप में प्रकाशन से यह स्पश्ट होता है कि पुरातन ग्रंथों में इतिहास, भूगोल, युद्ध, विज्ञान, समयमान के चित्रण तो हैं ही, भारतीय इतिहास-नायकों की गाथाएं भी हैं। यही संयुक्त वर्णन कहानियों-किस्सों के रूप में किसी राष्ट्र के विकसित श्रेष्ठतम रूप को सामने लाते हैं। पांडुलिपियों के रूप में सुरक्षित ग्रंथों के शोध और संग्रह निरंतर होते रहे हैं। 1803 में इन ग्रंथों का सूची-पत्र तैयार करने की पहली शुरुआत एशियाटिक सोसायटी ने की थी। इस सोसायटी के चौथे अध्यक्ष एचटी कोलब्रुक ने सूची-पत्र तैयार करने के लिए प्रति वर्ष 5-6 रुपए का अतिरिक्त अनुदान का प्रबंध भी कराया। इसी क्रम में गवर्नर एलफिंस्टन ने जब संस्कृत ग्रंथों का अनुसंधान कराया, तब ज्ञात हुआ कि 1840 में जितने ग्रंथ भारत में पाए गए, उनकी संख्या ग्रीक और लेटिन भाषा के समस्त पश्चिमी और कतिपय एशियाई ग्रंथों से कहीं ज्यादा थी। इसके पूर्व 1830 में फ्रेडरिक ने 350 संस्कृत ग्रंथों की सूची बनाई थी। 1859 में बेल के शोधानुसार इन ग्रंथों की संख्या 1300 हो गई। कालांतर में 1891 आते-आते शियोगेर अलफ्रेस्ट ने जो सूची-पत्र बनाया, उसमें इन संस्कृत पांडुलिपियों की संख्या 32 हजार से ऊपर निकल गई। तदुपरांत भारतीय विद्वान हरप्रसाद शास्त्री ने 40 हजार पांडुलिपियों और 1916 में राहुल सांकृत्यायन ने 50 हजार ग्रंथों की खोज कर सूची-पत्र बना लिया। इन सूची-पत्रों की तैयारी के बाद पांडुलिपि शास्त्र के जर्मन ज्ञाता शिलगल ने इन ग्रंथों का विषयवार वर्गीकरण किया। इसी वर्गीकृत अध्ययन से ज्ञात हुआ कि ये ग्रंथ केवल एक विषय , एक धर्म या अध्यात्म मात्र पर केंद्रित नहीं हैं, अपितु इस वर्गीकरण से ग्रंथों के प्रकार और उनमें अंतर्निहित दर्शन का प्रादुर्भाव हुआ, जिसे तेरह वर्गों में विभाजित किया गया। वैदिक साहित्य अर्थात चार वेद, वेदांग अर्थात शिक्षा, कल्प, निरूक्त, व्याकरण, ज्योतिष और छंद। वेदांगों से आगे पुराण, इतिहास, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और काव्यशास्त्र लिखे गए। उपनिषदों के माध्यम से अध्यात्म खगोल और नैतिकता के दर्शन की स्थापना हुई। इसी क्रम में जैन और बौद्ध दर्शन से लेकर, चार्वाक दर्शन तक सामने आए। इनमें प्रकृति से लेकर मानव वृत्तियों के उल्लेखों के मनोवैज्ञानिक दृष्टान्त हैं, परंतु आडंबरों पर प्रहार है। 1981 में भारत की प्राचीनतम बख्शाली पांडुलिपि को प्राचीनतम गणित की पांडुलिपि माना गया है। यह पांडुलिपि खैबर पख्तूनख्वा, पेशावर (पाकिस्तान) के एक किसान को मिली थी। भोजपत्रों पर यह संस्कृत में लिखी गई है। इसके केवल सत्तर पृष्ठ मिले हैं, शेष नष्ट हो गए। इसे नौवीं शताब्दी का लिखा माना जाता है। परंतु जब इसकी लिखावट की ऑक्सफोर्ड विष्वविद्यालय और बोडालियन पुस्तकालय के शोधकर्त्ताओं ने रेडियो कार्बन डेटिंग से परीक्षण किया तो इसे तीसरी-चौथी शताब्दी का होना पाया गया। इस परिणाम से यह निष्कर्ष भी निकाला गया कि ग्वालियर में स्थित मंदिर की दीवार पर उत्कीर्ण शून्य का षिलालेख नौवीं शताब्दी का है, उससे भी पहले की यह पांडुलिपि है। इसमें एक ऐसे बिंदु का उल्लेख किया है, जो 'शून्य' का प्रतिनिधित्व करने वाला अब तक का सबसे प्राचीन प्रतीक है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्राध्यापक मार्कस डू सौतॉय ने प्रतिपादित किया है कि आज हम जिस शून्य का प्रयोग करते हैं, वह प्राचीन भारत में प्रयोग में लाए गए 'बिंदु' से ही विकसित हुआ है। इस पांडुलिपि का आरंभिक लेखन शारदा लिपि में है। यह लिपि 8वीं से 12वीं शताब्दी तक दक्षिण एशिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों और कश्मीर के भूखंडों में प्रचलित थी। शारदा लिपि संस्कृत के निकट मानी जाती है। ऋग्वेद में इन लिपियों के प्रारंभिक विकास के चरण पणिय और मग समुदाय के लोगों के द्वारा किए जाने के उल्लेख हैं। इस पांडुलिपि में गणितीय नियमों, उनमें आने वाली समस्याओं के हल उदाहरणों सहित उपलब्ध हैं। अंकगणित, बीजगणित, रेखागणित और क्षेत्रमिति भी इसमें मिलते हैं। वर्गमूल, घनमूल स्वर्ण की गणना के साथ आय, व्यय, ब्याज और सरल समीकरणों का उल्लेख भी इस पांडुलिपि में है। बख्शाली पांडुलिपि में लिखे जाने से बहुत पहले से ही भारतीय मनीषियों ने इन गणितीय वैदिक ज्ञान के सूत्रों को श्रुति परंपरा से मौखिक रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी स्मृति में ग्रहण करा दिया था। यही कालांतर में लिखित और मुद्रित रूपों में हमारे समक्ष हैं। सूत्रों को श्रुति परंपरा से मौखिक रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी स्मृति में ग्राह्य कराया। यही कालांतर में लिखित और मुद्रित रूपों में हमारे समक्ष हैं। दुनिया ने मान लिया है कि ऋग्वेद के सूक्त और मंत्र सबसे प्राचीन मौखिक और भोजपत्रों पर लिखित आख्यान हैं। तथापि 'भृगुसंहिता' भी एक प्राचीन पांडुलिपि है, जिसकी मूल प्रति होशियारपुर में आज भी सुरक्षित है। इसमें ग्रह नक्षत्रों के आधार पर व्यक्ति का भूत और भविष्य वांचने का दावा किया जाता है। रामधारी सिंह दिनकर ने 'संस्कृति के चार अध्याय' में ऋग्वेद की ऋचाओं को विभिन्न विद्वानों के मतानुसार दो हजार से पचहत्तर वर्ष तक का प्राचीन माना है। इनमें सबसे उत्साहजनक दृष्टिकोण डॉ अविनाश दत्त का है। वे ऋग्वेद को पचास से पचहत्तर हजार वर्श पुराना मानते हैं। बहरहाल प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण तो जरुरी है ही, इनका अध्ययन भी जरूरी है।

छात्रों को अद्वितीय नौकरियों पर विचार क्यों करना चाहिए

विजय गर्ग

तेजी से विकसित होती दुनिया में, स्नातकों को अनुकूलनशीलता और निरंतर सीखने को गले लगाना चाहिए। सफलता अपने आप को फिर से तैयार करने और उत्सुक रहने पर निर्भर करती है। पिछले ज्ञान को जाने देने से नए दरवाजे खुलते हैं और कई जुनून को जोड़कर और एक बहु-विषयक मार्ग का पीछा करके, छात्र अपने लिए अद्वितीय अवसर पैदा कर सकते हैं। यहां तक कि माता-पिता भी गैर-पारंपरिक कैरियर पथ की पूर्ति और मूल्य के महत्व को समझते हैं। अज्ञात के लिए तैयार करने के लिए, स्नातकों को अपने जुनून पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उनकी समझ को गहरा करना चाहिए, और उन कनेक्शनों को ढूंढना चाहिए जो उन्हें बाहर खड़ा करते हैं। अपने आप को सच होने और विशिष्टता को गले लगाने से एक पूर्ण और समृद्ध भविष्य होता है। सफलता अनुकूलनशीलता, निरंतर सीखने, अनलर्निंग, किसी की सच्ची कॉलिंग खोजने और वित्तीय ज्ञान को एकीकृत करने में निहित है। हाई स्कूल स्नातक सफलता के लिए अपने स्वयं के अनूठे मार्ग का पालन करके आत्मविश्वास से विकसित दुनिया को नेविगेट कर सकते हैं। मौजूदा क्षेत्रों में विघटनकारी नवाचारों से परे, कई नए कैरियर के रास्ते सामने आए हैं, जो विविध हितों और जुनून वाले छात्रों के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करते हैं। निम्नलिखित छात्रों के लिए इन रोमांचक नए युग के करियर में से कुछ हैं: ध्वनि इंजीनियरिंग और संगीत साउंड इंजीनियरिंग का क्षेत्र संगीत और ऑडियो उत्पादन के लिए प्यार वाले व्यक्तियों के लिए एक शानदार अनुभव प्रदान करता है। साउंड इंजीनियर संगीत पटरियों को रिकॉर्ड करने, मिश्रण करने और माहिर करने के साथ-साथ लाइव प्रदर्शन और फिल्म निर्माण के

लिए ऑडियो समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह क्षेत्र रचनात्मक स्वभाव के साथ तकनीकी विशेषज्ञता को जोड़ती है। कृत्रिम होशियारी एआई के उदय ने विभिन्न उद्योगों में संभावनाओं की दुनिया को खोल दिया है। एआई विशेषज्ञ एल्गोरिदम, मशीन लर्निंग मॉडल और बुद्धिमान प्रणालियों के विकास पर काम करते हैं। स्वायत्त वाहनों से लेकर व्यक्तिगत सिफारिश प्रणालियों तक, एआई पेशेवर डेटा और स्वचालन की शक्ति का उपयोग करके भविष्य को आकार देते हैं। डिजिटल मार्केटिंग और विज्ञापन डिजिटल युग में, व्यवसाय अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और विज्ञापन पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। इस क्षेत्र में करियर में आकर्षक सामग्री बनाना, उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण करना और उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों का उपयोग करना शामिल है। डिजिटल विपणक ब्रांड की सफलता को चलाने के लिए रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक कौशल और रणनीतिक सोच को जोड़ते हैं। ड्रोन और रोबोटिक्स रोबोटिक्स का क्षेत्र आश्चर्यजनक गति से आगे बढ़ रहा है जो रोबोट और ड्रोन को डिजाइन करने और प्रोग्रामिंग करने में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए अवसर प्रस्तुत करता है। रोबोटिक्स इंजीनियर विनिर्माण और स्वास्थ्य सेवा से लेकर रसद और मनोरंजन तक के उद्योगों के लिए रोबोट विकसित करते हैं। इस क्षेत्र में इंजीनियरिंग कौशल और नवाचार के लिए एक जुनून के मिश्रण की आवश्यकता होती है। जैसा कि नौकरी का बाजार विकसित होता है, स्नातकों के लिए उनके लिए उपलब्ध नए युग के कैरियर विकल्पों का पता लगाना आवश्यक है। ये क्षेत्र न केवल रोमांचक अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि दुनिया में एक सार्थक प्रभाव बनाने का मौका भी प्रदान करते हैं। प्रौद्योगिकी, नवाचार और रचनात्मकता की शक्ति को गले लगाकर, छात्र एक सफल और पूर्ण कैरियर का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजा)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

गोपालगंज, आरा, छपरा ,सिवान के बुद्धिजीवी तथा गणमान्य लोगों द्वारा जिला स्तरीय बैठक कर मानवाधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर इंसान सिंहा को सम्मानित किया गया

दिव्य दिनकर बिहार प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

पटना सोमवार 21/4/ 2025 को शरण्य राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध विरोधी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ईशा सिन्हा बिहार के गोपालगंज आरा ,छपरा ,सिवान के बुद्धिजीवी वर्क गणमान्य लोगों के द्वारा जिदा स्तरीय सम्मान समारोह में इन्हें मुख्य रुप से सम्मानित किया गया। इनके द्वारा भी प्रशासन डॉक्टर शिक्षक को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडोर सिंहा । के द्वारा मानवाधिकार से जुड़े तमाम बातों से अवगत कराया। मोके पर ग्रीन मैन जिले के शिक्षक पर्यावरण मित्र तक सत्यप्रकाश राष्ट्रीय सचिव श्री विकास कुमार श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शशि कुमार भगत बिहार मेडिकल हे डॉक्टर शिवम महिला जिला उपाध्यक्ष श्रीमती पूनम यादव प्रदेश उपाध्यक्ष श्री कुणाल सिंह, जिला सचिव श्री सरवन कुमार कुचायकोट प्रखंड उपाध्यक्ष श्री विशाल कुमार मेहरा ब्लॉक अध्यक्ष श्री प्रभाकर कुमार इसके अलावे संगठन के अनेक सक्रीय प्रदाधिकारीगण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जुगाड़ गाड़ी पलटने से पांच लोग गंभीर रूप से घायल

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। जुगाड़ गाड़ी के पलट जाने से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिनका इलाज सदर अस्पताल बेगूसराय में चल रहा है। घटना लाखो थाना क्षेत्र के बहदुरपुर गंगा डेयरी के समीप की है। सभी घायल एक ही गांव के रहने वाले हैं। घायलों की पहचान रामकुमार, इंद्रदेव महतो, प्रभु निषाद, मुकेश एवं रमनजीत के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि सभी घायल सिंघौल थाना क्षेत्र के रचियाही के रहने वाले हैं। वे लोग चापाकल गाड़ने के काम से एनएच 31 से बलिया की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में विपरीत दिशा से आ रही रिक्शा की वजह से जुगाड़ ठेला पलट गई। जिससे सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। देखा जाए तो इसमें भी प्रशासनिक लापरवाही कहीं न कहीं साफ झलक रही है। क्योंकि जुगाड़ रिक्शा ना तो किसी परमिट और ना ही किसी आदेश के धड़ल्ले से बेगूसराय की सड़कों पर दौड़ रही है। परिवहन विभाग आंख बंद किए हुए हैं। यही वजह है कि लोग जान हथेली पर लेकर यात्रा कर रहे हैं और ऐसे हादसे सामने आ रहे हैं।

अंबेडकर चौक की घटना को जदयू ने बताया राजनीतिक साजिश

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। जदयू व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव प्रशांत कुमार देव के आवास पर जदयू की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 14 अप्रैल को अंबेडकर चौक पर हुई घटना की कड़ी निंदा की गई और इसे एक राजनीतिक साजिश करार देते हुए सामाजिक सौहार्द्र को नुकसान पहुंचाने का प्रयास बताया गया। बैठक में एसडीओ के उस निर्णय का स्वागत किया गया, जिसमें बिना अनुमति अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर कोई कार्यक्रम नहीं करने की बात कही गई है। अंबेडकर जयंती के अवसर पर जदयू कार्यकताओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों में अपनी आस्था प्रकट की। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा दलित उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं छात्रावास प्रोत्साहन राशि, उद्यमिता योजना, बीपीएससी उत्तीर्ण छात्रों को सहायता राशि और मुफ्त अनाज योजना की सराहना की गई। बैठक में नगर अध्यक्ष संगीता राय, नावकोठी प्रखंड अध्यक्ष मुकेश सिंह, प्रवक्ता सुनील महतो, जिला महासचिव जवाहर राय, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव प्रशांत कुमार देव, पिंटू राम, बिरजू महतो सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

किशोर न्याय परिषद औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी ने गया के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को शोकोज किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के किशोर न्याय परिषद औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी सह एसीजेएम सुशील प्रसाद सिंह ने मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी गया को शोकोज किया है, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि भीषण गर्मी में पर्यवेक्षण गृह गया मैं बंद ससीमित सात विधि विवादित किशोर के उम्र निर्धारण आदेश पत्र काफी समय से निर्गत किया गया है किंतु आज तक बोर्ड में उम्र निर्धारण प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है अधिवक्ता ने आगे बताया कि जे जे ऐक्ट 2015 की धारा 94 के अंतर्गत उम्र निर्धारण आदेश के 15 दिनों के अंदर होनी चाहिए,ऐसा न करना किशोर हीत का हनन है और कानूनी आदेश का अवमानना है इस लापरवाही पर सात दिनों के अंदर अपना स्पष्टीकरण मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी गया औरंगाबाद बोर्ड में प्रस्तुत करें।

इतिहास में दर्ज हो रहा पटना का गंगा पथ

आखिरकार बीजेपी सांसद राजीव प्रताप रूडी की मेहनत रंग लाई

शौर्य दिवस पर गरज रहे वायु सेना के फाइटर जेट्स, सूर्य किरण शो के लिए सरकार की अभूतपूर्व व्यवस्था।

140 पदाधिकारी समेत 400 से अधिक जवान तैनात, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

भारतीय वायुसेना के जवान दिखाएंगे करतब

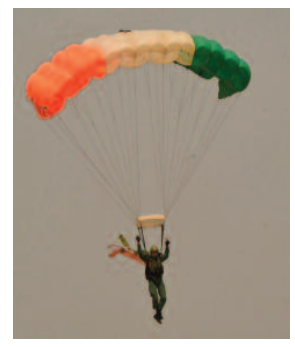

पटना ,। बिहार की राजधानी पटना का गंगा पथ इतिहास दर्ज हो रहा है क्योंकि बिहार की नीतीश सरकार ने बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती श्शौर्य दिवसश्र को खास बनाने के लिए खास तैयारियां की हैं। वीरता, पराक्रम और स्वाभिमान के प्रतीक बाबू वीर कुंवर सिंह का शौर्य दिवस-विजयोत्सव प्रतिवर्ष श्रद्धा और गर्व के साथ मनाया जाता रहा है। लकिन्तु इतिहास में यह प्रथम अवसर है जब भारतीय वायुसेना ने इस महान स्वतंत्रता सेनानी को आकाश से सलामी दी है । ह्यसूर्यकिरणह्ल की गड़गड़ाहट और ह्यआकाशगंगाह्ल की अद्भुत छलांगों के साथ।यह ऐतिहासि-ाक दृश्य संभव हो पाया है सारण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के अथक प्रयासों, राष्ट्रभक्ति और दूरदृष्टि पूर्ण संकल्प के कारण। उन्होंने न केवल वीर कुंवर सिंह के अद्वितीय योगदान को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित किया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी उनके गौरवगाथा से जोड़ने का कार्य किया है। बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती अलग-अलग लोग आयोजन कर कर मनाते हैं जिसे अपना सार्वजनिक कार्यक्रम और घोषित रूप से मानते हैं । लेकिन पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती को पूरे देश में चर्चा का विषय बना दिया और एक अलग तरह से लोगों को एक प्लेटफार्म पर लाकर उनके द्वारा किए गए देश की आजादी में कार्यों को नए युवाओं के बीच में सोने के लिए मजबूर कर दिया । राजधानी पटना के जेपी गंगा पथ पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर सभी तरह के पुख्ता इंतजाम कर लिए गए हैं। किसी भी तरह की इमरजेंसी के लिए आपातकालीन एंबुलेंस और अग्निशमन विभाग की भी तैनाती की गई है। बिहार सरकार ने इस कार्यक्रम की सुरक्षा में प्रदेश के 140 से ज्यादा पदाधिकारियों की तैनाती की है। बता दें कि बिहार की राजधानी पटना के जेपी गंगा पथ पर स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती श्शौर्य दिवसश्र के नाम से मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम 22 और 23 अप्रैल को होना है। इनमें कई तरह के शो आयोजित होंगे. जिसमें सूर्य किरण विमान एयरोबेटिक शो दिखाए जाएंगे। इसके अलावा वायुसेना का अभ्यास भी देखने को मिलेगा। इस कार्यक्रम में आने वाले दर्शकों के लिए सभ्यता द्वार पर बने जेपी पथ पर बैठने की व्यवस्था की गई है। यहां जर्मन हैंगर भी बन रहा है, जिसमें हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। बिहार के गर्व को दिखाने के लिए बिहार सरकार ने जमकर तैयारी की है। बिहार के सबसे खास कार्यक्रम को लेकर सरकार ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर रखे हैं। इसके लिए प्रदेश के 140 बड़े पदाधिकारी और 400 से ज्यादा कांस्टेबल तैनात किए गए हैं। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बिहार के सीएम नीतीश कुमार होंगे। सीएम नीतीश के अलावा बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद होंगे। बाकी कई अन्य विभागों के पदाधिकारी भी होंगे।बिहार सरकार 23 अप्रैल को पटना में श्शौर्य दिवसश्र मनाने जा रही है। इस समारोह में भारतीय वायुसेना के जवान तस्वीर और तिरंगे के साथ करतब दिखाएंगे। यहां माहौल पूरी तरीके से राष्ट्रभक्ति वाला रहेगा। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार ने सेनानी स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के नाम से प्रदेश में कई चीजों का निर्माण करवाया है। इनमें विश्वविद्यालय, कृषि विश्वविद्यालय, गंगा सेतु नदी जैसे कई निर्माण शामिल हैं। बाबू कुंवर सिंह का यह योगदान नीतीश कुमार के आभार को दिखाता है. यह पूरी तरीके से बिहार के गौरवशाली दिन के रूप में उन्हें श्रद्धांजलि के रूप में समर्पित किया जाएगा। सभी बिहारियों के लिए यह खास दिन है। बाबू वीर कुंवर सिंह का शौर्य दिवस वैसे तो हर साल मनाया जाता है, लेकिन इस बार इसे ऐतिहासिक महोत्सव का रूप दे रहे हैं सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी. न कोई दिखावा, न कोई प्रचार, बस एक संकल्प कि बिहार का वीरता भरा इतिहास दुनिया तक पहुंचे। पटना के गंगापथ पर होने वाले पहले एयरफोर्स सूर्य किरण शो के लिए सांसद रूडी ने गांव-गांव, घर-घर घूमकर लोगों को आमंत्रित किया था। और ये उसी का नतीजा है इस शो आयोजन इतने भव्य स्तर पर हो रहा है। गंगा पथ पर पहली बार गूंजेगी वायुसेना के फाइटर जेट्स की गड़गड़ाहट। आपको बता दें कि रूडी ने इस आयोजन के जरिए यह साबित किया कि जब इरादे बुलंद हों, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं, अधिकारी हों या नेता, मंत्री हों या खुद रक्षा मंत्री, पक्ष हो या विपक्ष, रूडी ने सबको साथ जोड़ा। मुख्यमंत्री से मिले, सरकार से अनुमति ली और रक्षा मंत्रालय से सूर्य किरण शो को मंजूरी दिलाई।

कंपाउंडर की मौत के मामले में अधिवक्ता पिता ने डॉक्टर और सहयोगियों पर लगाया हत्या का आरोप

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। बखरी स्थित दुर्गा नर्सिंग होम क्लिनिक में कंपाउंडर के रूप में कार्यरत 24 वर्षीय युवक रवीश कुमार की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मृतक के पिता अधिवक्ता सुनील झा ने बखरी थाना में लिखित आवेदन देकर डॉक्टर रमन झा और उनके सहयोगियों पर साजिश के तहत हत्या का आरोप लगाया है। गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुम्हारसों गांव निवासी रवीश कुमार हाल ही में बखरी के डॉक्टर आर. एन. झा के क्लिनिक में कंपाउंडर के रूप में काम करने लगा था। वह गुरुवार से ही क्लिनिक में रहकर काम कर रहा था। सोमवार की सुबह जब क्लिनिक का एक अन्य कर्मचारी वहां पहुंचा तो काउंटर खाली मिला। काफी देर खोजबीन के बाद वह ऊपर के कमरे में पहुंचा, जहां रवीश का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक का सिर बेड के नीचे था जबकि दोनों पैर ऊपर की ओर था। जो कि बेहद असामान्य स्थिति मानी जा रही है। उस कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। जिसे पुलिस के आने के बाद खोला गया। अधिवक्ता सुनील झा का आरोप है कि उनके बेटे के चेहरे और हाथों पर काला निशान था। उन्होंने यह भी दावा किया कि डॉक्टर रमन झा ने पहले शव को गायब करने की कोशिश की, लेकिन जब मौका नहीं मिला तो उन्हें घटना की सूचना दी। श्री झा ने बताया कि उन्होंने क्लिनिक का सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग की, लेकिन डॉक्टर ने इसे नजरअंदाज कर दिया। इससे आशंका और भी गहराती है कि इस मौत के पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है। बखरी थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। एसडीपीओ कुंदन कुमार के नेतृत्व में मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने क्लिनिक परिसर की छानबीन भी की है और सभी संबंधितों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से इलाके में आक्रोश का माहौल है। लोगों ने इस मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

चौक-चौराहे और धार्मिक प्लेस पर सीसीटीवी कैमरा लगाने की तैयारी शुरू

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड मुख्यालय के पंचायत में नगर निगम के तर्ज पर सार्वजनिक स्थल, चौक-चौराहे एवं धार्मिक प्लेस पर सीसीटीवी कैमरा लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। यह कारनामा सदर पंचायत नावकोठी के मुखिया राष्ट्रपति कुमार ने अंजाम दिया है।मंगलवार को इस महत्वाकांक्षी योजना का शिलान्यास मुखिया, बीडीओ चिरंजीव पांडे ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर किया।बीडीओ श्री पांडे ने बताया कि ग्राम पंचायत की निधि से नावकोठी के सभी चौक चौराहे, बाजार धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थान पर सीसीटीवी कैमरा सहित पोल प्रतिस्थापन का शुभारंभ किया गया है। यह एक अनूठा पहल है। इससे प्रखंड मुख्यालय के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर निगरानी रहेगी। मुखिया ने कहा कि पंचायत क्षेत्र में बैंक, डाकघर, पीएचसी, आयुर्वेदिक अस्पताल, थाना, शिक्षण संस्थान, विभिन्न धार्मिक स्थल, खेल मैदान, सड़कें, विभिन्न चौक चौराहे पर तीसरी आंखों का चौबीसो घंटा पहड़ा शुरू होगा। इससे विभिन्न प्रकार के छोटे-मोटे वारदात, चोरी छिनतई, अपराध, गैरकानूनी धंधे, महिला सुरक्षा, छेड़छाड़, दुर्घटना जैसी घटनाओं का खुलासा एवं इसपर नियंत्रण किया जा सकता है। इस अवसर पर उप मुखिया विजय सहनी, मो सलमान, सुधीर कुमार, शत्रुध्न कुमार, महेश महतो, राजा विकास, कृष्णनंदन जायसवाल, सुधीर रजक, कन्हैया कुमार आदि मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में मनाया गया समारोहपूर्वक पोषण पखवाड़ा

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड के समसा, रजाकपुर, हसनपुर बागर, पहसारा पश्चिम पंचायत के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में समारोहपूर्वक पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजन किया गया।इसका उद्घाटन सीडीपीओ मोनिका रानी, एलएस लालिमा कुमारी, रिंटु कुमारी, रंजिता कुमारी एवं सिंकी कुमारी ने किया। इस अवसर पर विभिन्न मोटे अनाज से तैयार व्यंजन प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। सीडीपीओ ने मोटे अनाज के खाने के फायदे से माताओं को अवगत कराया। मोटे अनाज से लोगों के शरीर में काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, आयरन सहित अन्य पोषक तत्वों की कमी हो गयी है। इस कमी के कारण अनेक प्रकार के रोगों से प्रभावित होकर अपना स्वास्थ्य बिगाड़ रहें हैं। इन पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए इन अनाजों को शामिल करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। पोषण पखवाड़ा के तहत आंगनबाड़ी केन्द्र के पोषक क्षेत्रों के लाभुक सहित अन्य के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भोजन में इन अनाजों को शामिल कराये जाने की अपील की। प्रदर्शनी में रागी की रोटी, हलुआ, मक्के की रोटी, मक्के का छोला, सामा, चीना, कोदो, ज्वार, बाजरा, मरूआ, सहजन की पत्ती से आकर्षक रंगोली तैयार की गयी थी। रागी के सेवन से किशोरियों तथा गर्भवती महिलाओं में होने वाली एनीमिया को दूर करने में कारगर है। इस अवसर पर अरुणा कुमारी, सुलेखा कुमारी, चांदनी कुमारी, बिंदु कुमारी, किरण कुमारी, आयशा खातून, रोजी खातुन, तराना खातुन, ममता कुमारी, जयंती कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

भीषण गर्मी में छात्र-छात्राओं को कॉलेज में नहीं मिल रहा पानी

एबीवीपी कार्यकताओं ने निजी कोष से कॉलेज में उपलब्ध कराया जल

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं के द्वारा विरोध स्वरूप लगातार दो दिनों से को-ऑपरेटिव कॉलेज में छात्र-छात्राओं के लिए जल की व्यवस्था की जा रही है। क्योंकि महाविद्यालय प्रशासन को तीन मांग पत्र देकर कार्यकर्ता मांग कर चुके हैं कि आपके स्तर से समस्या का समाधान नहीं होने पर एबीवीपी कार्यकताओं ने अपनी निजी राशि से छात्र-छात्राओं के लिए जल की व्यवस्था की है ' बताते चलें कि एबीवीपी के 10 कार्यकर्ता ग्लास लेकर पूरे महाविद्यालय में घूमते रहे। लेकिन उन्हें कहीं भी पेयजल नहीं मिला तो आजिज होकर अपने निजी कोष से राशि संग्रह कर महाविद्यालय में पानी का काउंटर लगाया। इस अवसर पर जिला सहसंयोजक कमल कश्यप ने कहा कि विगत कई महीने से एबीवीपी कार्यकर्ता मांग पत्र दे रहा है, किंतु महाविद्यालय प्रशासन के कान पर जू नहीं रेंग रहा है। हम लोगों ने अपने निजी कोष से छात्राओं के लिए जल की व्यवस्था की है। महाविद्यालय अध्यक्ष छोटू कुमार एवं कॉलेज सह मंत्री रोशन कुमार ने कहा कि आज छात्र-छात्राओं को जो दिन देखना पड़ रहा है, इससे स्पष्ट है कि छात्र-छात्राओं से लिए गए राशि का महाविद्यालय प्रशासन केवल अपने लिए उपभोग करते हैं।महाविद्यालय प्राचार्य एवं अन्य कर्मचारी टीए तथा डीए के नाम पर राशि निकाल रहे हैं। रंग रोगन का कार्य हो रहा है, किंतु छात्र-छात्राओं के लिए पेयजल की व्यवस्था तक नहीं है। ऐसी स्थिति से आजिज आकर हम लोगों ने विरोध स्वरूप अपनी ओर से छात्र-छात्राओं के लिए जल की व्यवस्था की है। मौके पर नीतीश, आलोक, सौरभ, राहुल, रजत, शुभम, मोहित, मुस्कान सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुंगेर में मुकेश साहनी ने एनडीए सरकार की जमकर लगाई क्लास

बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर मुकेश साहनी ने सीएम नीतीश कुमार को घेरा

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो
पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। श्सरकार बनाओ, अधिकार पाओश्र के तहत मुंगेर जिला मुख्यालय स्थित मंगल मूर्ति पैलेस में विकासशील इंसान पार्टी के तत्वाधान में आयोजित एकदिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन सह सोनल मीटिंग में सन ऑफ मल्लाह मुकेश साहनी ने बिहार की डबल इंजन की सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला। बिहार में बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर वीआईपी सुप्रीमो मुकेश साहनी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भ्रष्टाचारियों का सरगना बताया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मुकेश साहनी ने कहा कि आगामी 2025 विधानसभा चुनाव विकासशील इंसान पार्टी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। साहनी, बिंद, मल्लाह, चांय, बेलदार, केवट, निषाद आदि जातियों के साथ-साथ वीआईपी पार्टी के कार्यकताओं को अपने अधिकार के लिए आगे आने की आवश्यकता है। साहनी-बिंद-मल्लाह जाति की कुल 22 जातियां आज भी अपने अधिकार के लिए लड़ाई लड़ रही है। समाज के अंतिम पायदान में होने के बावजूद इन जातियों को आरक्षण देने के बजाय इन्हें अति पिछड़ा वर्ग में रखकर सरकार इन जातियों का दोहन और शोषण कर रही है। प्रखंड कार्यालय अंचल कार्यालय सहित सभी प्रखंड एवं जिला स्तरीय कार्यालय में भ्रष्टाचार की गंगा बह रही है। वर्तमान राज्य सरकार ब्यूरोक्रेट्स के इशारे पर चलकर इन भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही है। आज पिछड़ी जाति, अति पिछड़ी जाति, दलित एवं महादलित जाति के लोगों को जमीन के मोशन से लेकर किसी भी तरह के सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए उन्हें इन भ्रष्ट अधिकारियों को चढ़ावा चढ़ना पड़ता है। अन्यथा पीड़ित और शोषित वर्ग का कोई सुनने वाला नहीं है। जिस प्रकार से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सामाजिक न्याय के पुरोधा के रूप में बिहार में पीड़ितों और शोषितों को समाज में अपने अधिकार के लिए लड़ने की ताकत दी है, उसी के दम पर आज हम साहनी-बिंद-मल्लाह समाज के लोग सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में अपने अधिकार को पहचान कर समाज के मुख्य धारा से जुड़ने लगे हैं। हमें भी आगे बढ़ाने के लिए अपने जाति को शिक्षा के क्षेत्र में, सामाजिक क्षेत्र में तथा राजनीति के क्षेत्र में सबल होना पड़ेगा। इन समाज को न्याय दिलाने के लिए सन ऑफ मल्लाह बनकर मुकेश साहनी आप सबों के बीच अपना सब कुछ निछावर कर दिया है। 2025 विधानसभा चुनाव में हमारे सामने करो या मरो की स्थिति है। 2025 में महागठबंधन के सरकार को जिताकर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे तभी मुकेश साहनी भी उप मुख्यमंत्री के रूप में आप लोगों का प्रतिनिधित्व कर सकेगा। मुकेश साहनी ने कहा कि बिहार में महागठबंधन के सीट बंटवारे के बाद वीआईपी पार्टी को सम्मानजनक सीट मिलेगी। तेजस्वी यादव के साथ मिलकर 2025 विधानसभा चुनाव के लिए हर संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। मुंगेर जिला के तारापुर विधानसभा सीट को लेकर चर्चा करते हुए मुकेश साहनी ने कहा तारापुर विधानसभा क्षेत्र में हमारे समाज की आबादी किसी भी पार्टी को विजयी बनाने के लिए पर्याप्त है। तारापुर सीट से वीआईपी अपना उम्मीदवार उतारेगी। तारापुर से वीआईपी के उम्मीदवार की जीत को सुनिश्चित करने के लिए हमें आपसी मतभेद को भूलकर पूरी मुस्तादी के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने की आवश्यकता है। बिहार में सभी 243 सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवारों को जीत दिलाकर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनना ही हमारा परम लक्ष्य है।

संक्षिप्त समाचार

पृथ्वी दिवस पर नावकोठी के स्कूलों में किया पौधारोपण

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में विभिन्न फलदार, काष्ठीय पौधे को लगाया गया। पौधारोपण के उपरांत सेव ट्री, सेव अर्थ का नारा बुलंद किया गया। उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय अकहा ररिऔना एवं चकमुजफ्फर के विद्यालय प्रांगण में जलवायु परिवर्तन और मानव जीवन विषय पर परिचर्चा आयोजित की गयी। कक्षा नवम और दशम के बच्चों ने पौधारोपण एवं मिट्टी को संरक्षित रखने के लिए वर्मी कंपोस्ट के महत्व पर चर्चा की। हेडमास्टर सरोज कुमार महतो ने कहा कि इस दिवस पर हमें अपने धरती को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर पेड़-पौधे लगाने होंगे। पर्यावरण संरक्षण पेड़-पौधों के बगैर संभव नहीं है। पेड़-पौधे को सुरक्षित कर ही हम स्वस्थ और अनुकूल जीवन की कल्पना कर सकते हैं। शिक्षक कन्हैया कुमार ने भी विचार साझा किये। छात्रों में मोहित कुमार, शुभम कुमार, राम निवास कुमार, राजीव कुमार, शिक्षक विनय कुमार, अभिमन्यु कुमार पासवान, मनीष कुमार, इंदु कुमारी, खुशबू कुमारी आदि मौजूद थे।

लोगों ने देखा आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। सोमवार को आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम का पटना में मुख्यमंत्री द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत होने को लेकर बैठक की गई। इस अवसर पर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 17 स्थित रतनपुर चतुर्भुज पोखर परिसर में बैठक का लाइव प्रसारण किया गया। जिसमें जिला पदाधिकारी तुषार सिंगला, नगर आयुक्त, नगर निगम सत्येन्द्र कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा, प्रभारी पदाधिकारी, जिला विकास शाखा, उप महापौर नगर निगम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आम लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित बैठक समाप्त होने के उपरांत लोगों को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि सरकार जिस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में टोले-टोले जाकर आम लोगों की जन समस्याओं एवं कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है, उसी प्रकार सरकार द्वारा आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके तहत नगर निगम एवं नगर परिषदों के नव-विस्तारित क्षेत्रा में सुरक्षा सुविधा संबंध शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणका-री योजनाओं से अवगत कराया जायेगा तथा लाभान्वित भी कराया जायेगा।

पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में धूमधाम से मना विश्व पृथ्वी दिवस

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में प्राचार्य उदय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बच्चों ने धूमधाम से विश्व पृथ्वी दिवस मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अजीत कुमार ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि नगर विकास विभाग भी विशेष स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है जिसका भी फलाफल यह है कि पृथ्वी को प्रदूषण से मुक्त कर एवं हरितिमा बढ़ाकर सभ्यता को बचे एवं मानवता स्वच्छ वातावरण में स्वांस लें। उन्होंने इस अवसर पर बच्चों से पृथ्वी को हरा भरा करने एवं हेल्थी की अपील की। विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने कहा कि इस वर्ष का थीम है पावर प्लैनेट आवर प्लैनेट। रिन्यूएबल एनर्जी पर अपनी निर्भरता बढ़ाकर 2030 तक ट्रिपल क्लीन एनर्जी के लक्ष्य को प्राप्त कर लेना है। हेडमास्टर उदय कुमार सिंह ने नगर विकास विभाग के द्वारा बच्चों के बीच पृथ्वी दिवस के थीम पर चित्रकारी की प्रतियोगिता आयोजित कराने के लिए आभार प्रकट किए।इस प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय आए रेणु, सोनम एवं सावन को कार्यपालक पदाधिकारी ने बुक भेंट कर सम्मानित किए।इस अवसर पर स्वच्छता पदाधिकारी आदित्य, टाऊन प्लानर निकिता एवं विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद और अनुमंडलीय न्यायालय दाउदनगर कोर्ट 28 अप्रैल से मॉर्निंग होगा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद और अनुमंडलीय न्यायालय दाउदनगर कोर्ट 28 अप्रैल से मॉर्निंग होगा। बताते चलें कि बढ़ते हुए तापमान और उमस भरी गर्मी को देखते हुए व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद और अनुमंडलीय न्यायालय दाउदनगर के कोर्ट 28/04/25 से 28/06/25 तक सुबह 7 बजे शुरू होकर 12.30 बजे तक चलेगा, कार्यालय 1 बजे तक चलेगा, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि यह आदेश व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के प्रधान जिला जज राजकुमार वन ने जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनारायण सिंह अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय सिंह महासचिव सिद्धेश्वर विधार्थी और अनुमंडलीय विधिक संघ के अनुरोध पत्र को स्वीकारते हुए ऐसा फैसला किया है, अधिवक्ता ने बताया कि प्रतिदिन तापमान वृद्धि से अधिवक्ताओं, मुवक्किलों, गवाहों अधिवक्ता लिपिकों को शारीरिक परेशानी होने लगी थी।

सदर अस्पताल की कुव्यवस्था पर अपर मुख्य सचिव को पूर्व जिप अध्यक्ष ने लिखा पत्र

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल की कुव्यवस्था पर जिला परिषद औरंगाबाद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग को ध्यान दिलाते हुए आग्रह किया है कि यहां चिकित्सकों की कमी के चलते गरीब एवं लाचार मरीजों को इलाज कराने में असुविधा होती है। पिछले माह बिहार सरकार के मुख्यमंत्री माननीय नीतीश कुमार ने बहुमंजिला अस्पताल का उद्घाटन तो कर दिया लेकिन व्यवस्था के नाम पर यहां कुछ भी नहीं दिखता है। सदर अस्पताल में चिकित्सकों के स्वीकृत पद 57 है जबकि कार्यरत चिकित्सक मात्र 27 ही है। बिहार सरकार ने इस अस्पताल को मॉडल अस्पताल की संज्ञा दी है लेकिन यह अस्पताल बैसाखी पर चल रही है। प्रगति यात्रा में मुख्यमंत्री ने अस्पताल को उद्घाटन तो कर दिया है लेकिन लिफ्ट के अभाव के चलते कोई भी कार्य संभव नहीं हो पा रहा है।औरंगाबाद जिले के तमाम देव तुल्य जनता जनार्दन की तरफ से मैं बिहार सरकार से मांग करता हूं कि सदर अस्पताल में चिकित्सकों की संख्या बढ़ाई जाए एवं लिफ्ट की सुविधा दी जाए जिससे आमजन लाभान्वित हो सके।

अमृत काल की अनुपम सौगात : अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल

नई दिल्ली , ।अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। जो आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिजाइन किया गया है। इसके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं। अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिजाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है। पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा- ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है।

तकनीक से बढ़ी सुरक्षा

अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और एढ-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है।हर स्थिति में आरामदायक यात्रा अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक काउपलर का उपयोग किया गया है। ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है। यह ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का सारथी बनाती है। 2.0 ट्रेन को 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना के साथ अपडेट किया गया है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं। साथ ही, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, 160ङठ एयर स्प्रिंग बोगी जैसी सुविधा यात्रा को और भी आरामदायक बनाती है। प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और एरोसोल-आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जो स्वच्छता व सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। हर यात्री के लिए फास्ट मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, पेन्ट्री कार और बेहतर और आरामदायक सीट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय भी प्रदान किए गए हैं, ताकि सभी यात्रियों को समान सुविधा मिल सके

जिला पदाधिकारी ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी ने सदर अस्पताल का औचक निर-ीक्षण किया। बताते चलें कि जिला पदाधिकारी ने इस औचक निरीक्षण में सर्वप्रथम मॉडल अस्पताल में बने ओपीडी कक्ष का निरीक्षण किया गया। जहां आँख वाह्य , दंत वाह्य बिभाग एवं अन्य सभी वार्ड का सुचारू रूप से संचालित पाया गया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि मॉडल अस्पताल का उद्घाटन किए डेढ़ महीना से अत्यधिक होने के बावजूद अभी तक वहां लिफ्ट चालू नहीं होने के कारण नाराजगी व्यक्त किया गया एवं विभाग को सूचित करने हेतु सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया। महिला ओपीडी में निरीक्षण के दौरान चिकित्सक अश्वनी सिंह अनुपस्थित पाए गए। उपाधीक्षक द्वारा बताया गया कि चिकित्सक महिला रूम में गए हैं। जबकि वह लेबर रूम में 10:00 बजे तक अनुपस्थित पाई गई। इस संबंध में सिविल सर्जन को स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया। प्रयोगशाला का निरीक्षक के दौरान दो लैब टेक्नीशियन कार्य कर रहे थे। कार्य को अधिकता देखते हुए रोस्टर के अनुसार एक अतिरिक्त लैब टेक्नीशियन को ड्यूटी लगाने का निर्देश उपाधीक्षक को दिया गया। हीट वेव वार्ड के निरीक्षण के दौरान जहां एससी और कुलर लगाया गया था। इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार कॉरिडोर में कुछ अतिरिक्त कुलर लगाने का निर्देश दिया गया। लेबर वार्ड निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि अभी तक मात्र चार सिजेरियन ऑपरेशन ही हुआ है इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा गहरी ना-राजगी व्यक्त करते हुए अस्पताल प्रबंधक को निर्देश दिया गया कि अस्पताल परिसर में जगह-जगह पर बैनर लगाए कि यहां निशुल्क सिजेरियन ऑपरेशन होता है। इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी द्वारा सभी वार्ड यथा रठउव, चाइल्ड वार्ड , समान्य वार्ड , इमरजेंसी वार्ड,आइसीयु में सभी मेरीजों का फीडबैक लिया गया एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाएँ यथा साफ-सफाई , जाँच , दवा, इत्यादि की जानकारी ली गई। इस अवसर पर सिविल सर्जन विनोद डीपीएम स्वास्थ्य अनवर आलम, अस्पताल प्रबंधन के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं चिकित्सक मौजूद रहे।

अब नए कलेवर में दिखेगा पीएम श्री अनुग्रह स्कूल, डीईओ ने किया समीक्षा बैठक

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय को गुणवत्ता की दृष्टि से और बेहतर बनाने हेतु डीईओ सुरेंद्र कुमार ने स्कूल के प्राचार्य उदय कुमार सिंह एवं अन्य शिक्षकों के साथ मैराथन बैठक किए। विद्यालय में आनेवाले महीने से कई नवाचारों को क्रियान्वित करने की सहमति बनी। सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया है । प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष अनुग्रह मध्य विद्यालय को उसके उत्तरोत्तर विकास के मानकों पर उत्कृष्ट रहने के कारण पीएम श्री स्कूल बनाया गया। विद्यालय में आज एक बेहतरीन पुस्तकालय, एक आकर्षक रीडिंग रूम, सभी कक्षों में बेंच डेस्क एवं पंखे, सबमर्सिबल मोटर, ड्रिंकिंग वाटर पोस्ट, स्मार्ट लर्निंग सेंटर, खेलने कूदने की सामग्रियां, स्मार्ट बोर्ड आदि उपलब्ध है।वीसी नोड की व्यवस्था के साथ ही बाल संसद, मीना मंच एवं इको क्लब भी क्रियाशील है। छात्र छात्राओं का नामांकन में भी काफी इजाफा हुआ है।डीईओ ने कहा कि यह विद्यालय जिला मुख्यालय के हृदय में स्थित है। प्राचार्य उदय कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में विद्यालय तेजी से प्रगति किया कर रहा है,बच्चे पूर्णतः यूनिफॉर्म में आते है और जिला स्तरीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। 'आनेवाले समय में विद्यालय को और भी कई मानकों पर आकर्षित बनाया जाएगा एवं जिले के सभी विद्यालयों के बीच आपस में बेहतर करने का स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी सुनिश्चित कराई जाएगी।डीईओ ने विद्यालय के शिक्षकों को कहा कि उनके कार्यबल के संख्या के अनुसार एक बार में दो से अधिक अवकाश बिल्कुल न लें। अध्यापन कार्य को एफएलएन एवं टीएलएम की मदद से रुचिकर बनाएं।बच्चों की उपस्थित हर हाल में अस्सी प्रतिशत से अधिक रखने का प्रयास करें। विद्यालय में गर्मी के दिनों में पीने की पानी की समुचित व्यवस्था होने पर संतोष प्रकट किया। डीईओ ने सभी कक्षों में जाकर बच्चों से वार्ता किए एवं पढ़ाई के साथ ही बढ़ते गर्मी के आलोक में स-रकार द्वारा जारी विज्ञापनों में लू से बचने के सुझावों का कड़ाई से पालन करने को कहा।

शराब कारोबारी ने उत्पाद विभाग के चालक को मारी टक्कर, हालात गंभीर

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में शराब को लेकर छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम पर हमला किया है। यह घटना देव प्रखंड क्षेत्र के केताकी नहर रोड पर उत्पाद विभाग की टीम पर तस्कर ने हमला कर दिया, जिसमें वाहन चालक राजेश कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया, प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया, जानकारी के अनुसार आज उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली कि एक बाइक सवार शराब लेकर जा रहा है, इसके बाद सब इंस्पेक्टर रमज जमा के नेतृत्व में उस जगह वाहन जांच शुरू की गई. इस दौरान संदिग्ध एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया, तो उसने अचानक बाइक की रफ्तार बढ़ा दी और उत्पाद विभाग के चालक को टक्कर मारते हुए भागने की कोशिश की. इस टक्कर में राजेश गंभीर रूप से घायल हो गए. इसके बाद घायल अवस्था में चालक को सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया. चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है, इधर, घटना के तुरंत बाद टीम ने बाइक सवार तस्कर को पीछा कर धर दबोचा और उसके पास से शराब बरामद की गई है। उस-का बाइक भी जब्त कर लिया गया है, फिलहाल, आरोपी से पूछताछ जारी है और आगे की कार्रवाई जाएंगी। उत्पाद अधीक्षक अनिल आजाद ने कहा कि मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी. गौरतलब हो कि, बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बाद कई बार छापेमारी के दौरान पुलिस और शराब से जुड़े लोगों के बीच टकराव की घटनाएं सामने आई हैं, जिले में पहले भी इस तरह की घटनाएं समाने आई हैं।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा पटना शहर, जानिए क्या -क्या मिलेंगी सुविधा

पटना: राजधानी पटना के गंगा तट को एक भव्य पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत गंगा तट को एक समग्र उद्यान में रूपांतरित किया जाएगा। इसमें रिवर फ्रंट, वानिस्थितिका उद्यान, तितली उद्यान, फूड कोर्ट, अर्बन महिला हाट, पैदल पथ, साइकिल ट्रैक और विशाल पार्किंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके कुल क्षेत्रफल का 90 प्रतिशत हिस्सा हरित व खुला रखा जाएगा। जिसमें लगभग एक लाख पेड़-पौधे लगाए जाएंगे, जिससे राजधानी पटना में हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरणीय संतुलन में काफी मदद मिलेगी। पथ निर्माण विभाग के अनुसार कुल 8 हेक्टेयर क्षेत्र में 27 नक्षत्रों पर आधारित वानिस्थितिका उद्यान पारंपरिक खगोलशास्त्र की थीम पर आधारित होगा। साथ ही तितली उद्यान बच्चों व पर्यटकों को प्रकृति से जोड़ेगा। वहीं, कुल 6 किलोमीटर लंबा पैदल पथ गंगा किनारे लोगों को सुरक्षित भ्रमण की सुविधा प्रदान करेगा। कुल 4,000 चार पहिया और 13,000 दोपहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था भी यहां विकसित की जाएगी। राज्य के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि यह परियोजना पटना के सतत विकास के साथ-साथ पर्यटन व सांस्कृतिक विस्तार की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ेगी। बिहार राज्य पथ निर्माण निगम लिमिटेड ने जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान (फेज-1) परियोजनाश् के लिए निविदा आमंत्रण की अधिसूचना जारी कर दी है। यह महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से विगत 21 फरवरी को प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणा का एक हिस्सा है। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि यह परियोजना दीघा से गांधी मैदान तक गंगा पथ के दोनों ओर लगभग 7 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में विकसित की जाएगी। कुल 49.7 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस योजना की अनुमानित लागत 387.40 करोड़ रुपये है। इसे 24 माह में पूरा करने का लक्ष्य भी निर्धारित कर दिया गया गया है। पथ निर्माण मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप इस परियोजना को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। केवल दो माह के भीतर टेंडर जारी कर देना विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ये निविदा दस्तावेज 27 अप्रैल से 26 मई तक दोपहर 3 बजे तक आधिकारिक पोर्टल से डाउनलोड एवं अपलोड किए जा सकेंगे। एजेंसी का चयन प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से किया जाएगा और कार्य की गुणवत्ता व समय-सीमा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

धनबाद-लोकमान्य तिलक टर्मिनल के मध्य 02 जोड़ी तथा बरौनी-पोत्तनूर (कोयंबटूर) तथा पटना-एरणाकुलम के मध्य 01-01 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर:

ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी क-ड़ी में और धनबाद और लोकमान्य तिलक के मध्य 02 जोड़ी तथा बरौनी-पोत्तनूर (कोयंबटूर) तथा पटना-एरणाकुलम के मध्य एक-एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 03327/03328 धनबाद-लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल (बोका-रो-लातेहार- डालटनगंज-गढ़वा रोड-सिंगरौली-कटनी साउथ-इटारसी के रास्ते): गाड़ी संख्या 03327 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 26 अप्रैल से 28 जून, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को धनबाद से 08.00 बजे खुलकर र-विवार को 17.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 03328 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल 27 अप्रैल से 29 जून, 2025 तक प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक से 20.00 बजे खुलकर मंगलवार को 08.40 बजे धनबाद पहुंचेगी । 2. गाड़ी संख्या 03379/03380 धनबाद-लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल (बोकारो-लातेहार- डालटनगंज-गढ़वा रोड-सिंगरौली-कटनी साउथ-इटारसी के रास्ते): गाड़ी संख्या 03379 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 22 अप्रैल से 24 जून, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को धनबाद से 22.30 बजे खुलकर गुरूवार को 08.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 03380 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल 24 अप्रैल से 26 जून, 2025 तक प्रत्येक गुरूवार को लोकमान्य तिलक से 10.00 बजे खुलकर शुक्रवार को 22.30 बजे धनबाद पहुंचेगी । 3. गाड़ी संख्या 06055/06056 पोत्तनूर-बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल (किउल-झ-झा-चितरंजन- धनबाद-रांची-राउरकेला-सम्बलपुर-काटपाडी के रास्ते): गाड़ी संख्या 06055 पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल 26 अप्रैल से 24 मई, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को पोत्तनूर (कोयंबटूर) से 11.50 बजे खुलकर सोमवार को 14.30 बजे बरौनी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 06056 बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल 29 अप्रैल से 27 मई, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को बरौनी से 23.45 बजे खुलकर शुक्रवार को 03.45 बजे पोत्तनूर पहुंचेगी । 4. गाड़ी संख्या 06085/06086 एरणाकुलम-पटना-एरणाकुलम स्पेशल (मोकामा-झाझा-आसनसोल-दानकुनी-खड़गपुर-भुवनेश्वर-के रास्ते): गाड़ी संख्या 06085 एरणाकुलम-पटना स्पेशल 25 अप्रैल से 30 मई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को एरणाकुलम से 23.00 बजे खुलकर सोमवार को 03.30 बजे पटना जं. पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 06086 पटना-एरणाकुलम स्पेशल 28 अप्रैल से 02 जून, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को पटना से 23.45 बजे खुलकर गुरूवार को 10.30 बजे एरणाकुलम पहुंचेगी ।

पटना में आयोजित बिहार के वीर सपूत बाबू कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि देने का ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य - गोपाल शरण सिंह

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद : पटना में आयोजित बिहार के वीर सपूत बाबू कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि देने का ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपाल शरण सिंह। बताते चलें कि भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपाल शरण सिंह ने अपने निजी आवास पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए जानकारी दिए की पटना में आयोजित 23 अप्रैल को बिहार के वीर सपूत बाबू कुंवर सिंह की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी इस कार्यक्रम में औरंगाबाद जिले से लगभग 5000 लोगों की जाने की उम्मीद है और इस कार्यक्रम को बेहतर बनाने का काम करेंगे और उनके दिए हुए संदेशों पर खडा उतरने का काम करेंगे, आगे इन्होंने कहा कि 1857 की स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश सत्ता की नींव हिला देने वाले बिहार के वीर सपूत बाबू कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि देने का ऐतिहासिक अवसर फिर सामने है. इस महान क्रांतिकारी के विजयोत्सव का आयोजन 23 अप्रैल को पटना के बापू सभागार में वीरता, बलिदान और सामाजिक चेतना की नई ऊर्जा का संचार होगा। आगे भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपाल शरण सिंह ने बताया कि यह आयोजन किसी जाति या दल का नहीं, बल्कि पूरे समाज की चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, बाबू वीर कुंवर सिंह ने जो बलिदान दिया, वह आज भी हमारे अंदर आत्मगौरव और स्वाभिमान की भावना जगाता है। इस कार्यक्रम का मकसद यही भावना फिर से समाज में भरना है। जो वीर कुंवर सिंह की गाथा को जीवंत बना देंगे। आयोजन का उद्देश्य केवल अतीत को याद करना नहीं, बल्कि भविष्य को दिशा देना है। बताते चले कि भारत की आजादी में वीर सपूत बाबू वीर कुंवर सिंह की बलिदान कभी भूलाया नहीं जा सकता है।

अक्षय तृतीया को स्थापित हुए थे विष्णु धाम ,दर्शन मात्र से ही पूरा होते हैं सब काम

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित जम्होर थानांतर्गत मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर अवस्थित प्रकृति का अनमोल धरोहर विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल विष्णु धाम की स्थापना अक्षय तृतीया को हुई थी।परमहंस सन्यासी खाकी बाबा द्वारा स्थापित इस स्थल का वर्णन पुराणों में भी वर्णित है।मगध के चार धामों में से एक हैं। मगध के गया,राजगीर,देवकुंड एवं विष्णु धाम को मगध के चार धाम के रूप में जाना जाता है।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि विष्णु धाम अत्यंत ही पवित्र एवं वैष्णव परंपरा के मानने वालों उपासकों के लिए महत्वपूर्ण धाम है।जब कोई भक्त विष्णु धाम पहुंचते हैं और भगवान विष्णु का उन्हें जब दर्शन प्राप्त होता है तो उनके अंदर हृदय में भक्ति की अविरल धारा उमड़ पड़ती है। भगवान विष्णु की ऐसी मनमोहक छवि है जिसे भक्तों को बरबस निहारने के लिए बाध्य कर देती है।प्र-ाकृतिक सुषमा से आच्छादित इस स्थल का संगम तट अत्यंत ही पवित्र माना जाता है संगम तट पर किए गए अनुष्ठान चमत्कारी सिद्ध होते हैं।विष्णु धाम के दरबार में अन्य देवी देवताओं की भी प्रतिमाएं हमें आकर्षित करती रहती हैं।शिव परिवार,भगवान भाष्कर, वीर बजरंगबली,मां काली,पुनपुन माता,बद्री नारायण की प्रतिमाएं यह इंगित करती हैं कि अनादि ब्रह्म परम पिता परमेश्वर के दरबार में सभी प्रतिकों से ऊर्जा की प्राप्ति हो। इसी परिसर में खाकी बाबा,नागा बाबा की भी समाधि है जिनकी सूक्ष्म चेतना हमें हजारों वर्षों तक मार्गदर्शन करेगी।अक्षय तृतीया को ही सतयुग एवं त्रेतायुग की शुरूआत हुई थी। भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का अवतरण हुआ था। ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अक्षय कुमार का भी इसी दिन जन्म हुआ था।भक्त सुदामा भगवान श्री कृष्ण से इसी दिन मिले थे। तभी तो खाकी बाबा ने इसी दिन विष्णु धाम की स्थापना की।सनातनी परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व अक्षय तृतीया के मौके पर विष्णु धाम में गुड एवं आंटा के घोल से द्रवित पदार्थ में छाना गया पुआ का प्रसाद बंटता है।इस दिन भगवान विष्णु की षोडशोपचार विधि से पूजा अर्चना की जाती है एवं पुआ का प्रसाद लेने के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है।

हाई स्कूल खेल मैदान, गोह में धूमधाम से आज मनाई जाएगी अम्बेडकर जयन्ती

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)भारतीय संविधान के महान निमार्ता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयन्ती के अवसर पर गोह के हाई स्कूल खेल मैदान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह 23 अप्रैल,यानि आज बुधवार को आयोजित होगा, जिसमें दिन में मुख्य कार्यक्रम और रात्रि 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। समारोह की विशेषता यह है कि इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और अंबेडकरवादी आंदोलनों से जुड़े प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में विधायक डेहरी फतेबहादुर, मखदुमपुर के विधायक सतीष दास बौध, भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष जौहर अजाद पासवान, प्रो. अशोक कुमार सिंह पटेल, और हसाबुद्दीन अंसारी जैसे प्रमुख वक्ता शामिल होंगे। समारोह के स्थाई निवेदक देवरंजन दास अम्बेडकर व आयोजन समिति में अध्यक्ष नागेश्वर प्रसाद सिंह ने बताया कि यह आयोजन सामाजिक जागरूकता, संविधान के महत्व और बाबा साहब के विचारों के प्रचार-प्रसार हेतु समर्पित है। , सचिव डा. शिवशंकर प्रसाद, कोषाध्यक्ष रविन्द्र पासवान (पूर्व डीडीओ) सहित अनेक समाजसेवी, अधिवक्ता, बौद्ध उपासक और राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समारोह में रामजी पासवान (अधिवक्ता एवं कानूनी सलाहकार) संयोजक की भूमिका में हैं, वहीं संरक्षक मंडल में विन्देश्वरी प्रसाद शर्मा, राम विनय यादव और उदय प्रसाद जैसे समाजसेवी शामिल होंगे। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन में सभी जाति-धर्म के लोगों से भागीदारी की अपील की गई है, जिससे यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता और न्याय के विचारों को सशक्त कर सके।

राजद प्रखंड इकाई गोह की बैठक संपन्न, डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षति पर गहरा रोष

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की प्रखंड इकाई गोह की एक आपात बैठक मंगलवार को प्रखंड अध्यक्ष ललन प्रसाद चौरसिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से 15 अप्रैल 2025 की रात को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने की कड़ी निंदा की गई। पार्टी ने घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए इसे समाज को बांटने की साज़िश बताया। बैठक के उपरांत राजद के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) से मिलकर ज्ञापन सौपा जिसमे तीन प्रमुख मांगें रखीं।प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने वाले असामाजिक तत्वों की शीघ्र गिरफ्तारी हो।.डॉ अंबेडकर की प्रतिमा का पुनर्निर्माण कार्य अविलम्ब शुरू किया जाए। व प्रखंड मुख्यालय के मुख्य चौराहे (302) पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।इस मौके पर ललन प्रसाद चौरसिया (प्रखंड अध्यक्ष)अजय कुमार भारती (प्रखंड प्रवक्ता, राजद)डॉ. रामानंद यादव (प्रखंड महासचिव, राजद)शामिल हैं।राजद नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं करता है तो पार्टी चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

बढ़ते अपराध तथा सूबे में लगातार हो रहे हत्या को लेकर राजद ने बिहार की एनडीए सरकार पर उठाए सवाल

ये पब्लिक है सब जानती है : राजेश रमण

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

मुंगेर। बिहार में गिरती कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध तथा सूबे में लगातार हो रहे हत्या को लेकर राजद ने बिहार की एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला है। राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रमंडल प्रभारी सह जिलाध्यक्ष ने बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर एक बार फिर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि भोजपुर में जिस तरह से भाजपा नेता बबलू सिंह बारात की भीड़ पर अंधाधुंध फायरिंग कर सात लोगों को गोली मार दिया। जिसमें दो लोगों की मृत्यु हो गई। इससे साफ तौर पर यह दशार्ता है कि लोगों के मन में पुलिस का भय एकदम से समाप्त हो गया है। जहां तहां दबंग एवं आपराधिक किस्म के लोग जनता के साथ-साथ पुलिस पर भी हथियार लहरा रहे हैं। इसके साथ नालंदा में नाई सुखदेव ठाकुर की हत्या, सीतामढ़ी के सोनबरसा में राजू सिंह कुशवाहा की हत्या, सासाराम में आभूषण कारोबारी प्रिंस कुमार की हत्या एवं बेगूसराय में अजीत महतो की हत्या ने बिहार की सुशासन सरकार के पोल खोल कर रख दिया है। उन्होंने सत्ता रूढ़ भाजपा जेडीयू गठबंधन सरकार पर नाकामी छुपाने और अपराध रोकने में विफल होने के आरोप लगाते हुए कहा कि भोजपुर आरा की घटना में अपराधी को संरक्षण देने में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, रवि शंकर प्रसाद, नित्यानंद राय जैसे लोग का वरदहस्त है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। क्योंकि केंद्र में भाजपा की सरकार है तो यहां राष्ट्रपति शासन बिल्कुल नहीं लगाएगी। लेकिन राज्यपाल को इसके लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। राजेश रमण ने कहा कि बिहार की जनता इस डपोरशंखी सुशासन सरकार को आगामी विधानसभा चुनाव में तगड़ा जवाब देगी। ये पब्लिक है सब जानती है।

करही मोड़ के समीप एक टाटा मैजिक ने बच्चों को मारी ठोकर बच्चों की स्थिति नाजुक

दिव्य दिनकर लालू कुमार

चकाई प्रखंड के बिचकोड़वा थाना क्षेत्र के सरोन बक्सीला मुख्य मार्ग स्थित करही गांव के समीप तेज रफ्तार टाटा मैजिक ने असंतुलित होकर टाटा मैजिक ने बच्चों की मारी ठोकर जिससे बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गया। वही ग्रामीणों ने बताया कि तेज रफ्तार में टाटा मैजिक बिचकोड़वा की ओर से आ रही थी वही विपरीत दिशा बच्चे घर जा रहा था इसी क्रम में मैजिक वाहन ने बच्चे को जोडदार ठोकर मार दिया जिससे बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गया।वही घायल बच्चे की पहचान बिचकोड़वा थाना क्षेत्र के करही निवासी जितेंद्र पासवान के पुत्र विशाल कुमार उम्र करीब 6वर्ष के रूप में हुई है। वही ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना बिचकोड़वा थाना को दी गई सूचना मिलते ही बिचकोड़वा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मैजिक वाहन और चालक को कब्जे में लेकर थाना ले गई। वही घायल बच्चे का इलाज एक निजी क्लिनिक में कराया गया स्थिति गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के देवघर अस्पताल भर्ती कराया गया जहाँ उसका इलाज किया जा रहा है।

बगहा में शुरू हुआ पासपोर्ट सेवा मोबाईल वैन कैंप, अब पासपोर्ट बनवाना होगा और आसान

बगहा :बगहा में रहने वाले नागरिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना द्वारा अनुमंडल कार्यालय परिसर, बगहा में तीन दिवसीय पासपोर्ट सेवा मोबाईल वैन कैंप का आयोजन किया गया है। यह कैंप 22 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक चलेगा। इसका शुभारंभ क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी श्रीमती स्वधा रिजवी ने बगहा पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में किया। इस पहल के पीछे प्रमुख उद्देश्य बाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र में जल्द खुलने वाले डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र की पूर्व तैयारी और पश्चिम चंपारण के आवेदकों की बढ़ती संख्या है। यह बगहा में आयोजित नौवां मोबाईल पासपोर्ट कैंप है, जबकि अप्रैल 2024 के बाद से अब तक कुल 8 कैंप सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। हर दिन 55 स्लॉट्स, केवल ऑनलाइन अपॉइंटमेंट से होगा रजिस्ट्रेशन

इस कैंप में नए (Fresँ) और पुनर्निगमन (Re-issue) पासपोर्ट के आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। हर दिन 55 अपॉइंटमेंट स्लॉट जारी किए जाएंगे।

बिहटा में भव्य दिव्य मंगल कलश यात्रा निकली गई

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

पटना / बाबा बीटेश्वर नाथ मंदिर से पश्चिम बिहटा उच्च विद्यालय के सामने लई रोड बिहटा, पटना में श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर लई रोड , बिहटा मंगलवार को भव्य मंगल कलश यात्रा निकाला गया। यह यात्रा शांति, सद्भाव और आध्यात्मिकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई। इस मंगल कलश यात्रा में 1101 महिलाएं एवं कुमारी कन्याएं व चार रथ, गाजे बाजे के साथ काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कलश यात्रा का प्रारंभ सर्व श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य स्वामी यादवेंद्रानंद, स्वामी सुकमानंद, संजय सिंह, वीरेंद्रानन्द, अरुण कुमार, महेश, मुख्य यजमान श्री नीरज कुमार, श्री मंटू कुमार, छोटन सिंह, नीरज जी , त्रिलोकी सिंह ने झंडा दिखा कर किया। कलश यात्रा कथा स्थल से राघोपुर, बाजार समिति, बिजली ऑफिस मोड़ जिनपुरा रोड, चीनी मिल, बिहटा स्टेशन रोड होते हुए पुनः कथा स्थल पहुंची। जहां पूरे मार्ग पर भक्तों ने भजन-कीर्तन करते हुए आध्यात्मिकता और शांति का संदेश फैलाया। ॑सत्यं शिवं सुन्दरम॒ का सूत्र सिखाती है श्री शिव महापुराण कथा - डॉ. सर्वेश्वर विश्व के कण-कण में है शिव तत्व की थिरकन - डॉ. सर्वेश्वर ब्रह्मज्ञान के माध्यम से शिव तत्व भीतर प्रकट होता है - डॉ. सर्वेश्वर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से लई रोड, बिहटा, पटना में 22-28 अप्रैल 2025 तक सात-दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसका समय शाम 4.30 से रात्रि 8.30 बजे तक है। कथा के प्रथम दिवस गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर जी ने कथा माहात्म्य का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान शिव की महिमा तो ऐसी है जो देश-काल की समस्त सीमओं से परे विश्व के कण-कण में समाहित है। आज केवल

भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में भगवान शिव के असंख्य भक्त उनकी उपासना करते हैं। यदि विश्व की विभिन्न प्राचीन सभ्यताओं की ओर दृष्टिपात करें तो वहाँ भी भगवान शिव की उपासना के असंख्य प्रमाण मौजूद हैं। उदाहरणस्वरूप तुर्किस्तान के बेबीलोन शहर में एक हजार दो सौ फुट का एक विशाल शिवलिंग पाया गया है। स्कॉटलैंड में स्वर्णजड़ित एक विशाल शिवलिंग है। आयरलैंड के तारा हिल में एक बहुत पुराना शिवलिंग स्थापित है। दक्षिण अफ्रीका के ब्राजील शहर में अनेकों शिवलिंग हैं। इसी प्रकार मेक्सिको, जावा, कम्बोडिया, सुमात्रा, नेपाल, भूटान, इटली, यूरोप आदि देशों में विभिन्न प्राचीन शिवलिंग होने के प्रमाण मिले हैं। ये सब साक्ष्य भगवान शिव की सर्वगम्यता व असीमित लोकप्रियता को ही दशार्ते हैं। बात करें भारत देश की, तो इतने विदेशी आक्रमणों के बाद भी यदि भारतीय संस्कृति प्रफुल्लित साँसें भर रही है तो इसका एकमात्र कारण है इसकी धमनियों में प्रवाहित होता शिव तत्व। या यूँ कहें, भारत देश की तो आत्मा ही महादेव हैं। लेकिन अफसोस, आधुनिकता की अंधी दौड़ में दौड़ती भारत देश की संतानें आज शिव तत्व से कोसों दूर हो पतन की गहरी खाई में लुढ़कती चली जा रहीं हैं। आज समाज में व्याप्त हिंसा, वैमनस्य, मतभेद सब शिव तत्व का समाज से विलुप्तिकरण ही दशार्ते हैं। प्रभु की यह पावन कथा उसी सनातन शिव तत्व को उजागर करने आई है। शिव तत्व को ब्रह्मज्ञान के माध्यम से घट में प्रकट करने आई है। ताकि शिव की संतानें ॑सत्यं शिवं सुन्दरम॒ के सूत्र का अनुसरण करते हुए इस मायायुक्त संसार में सत्य का वरण कर शिवपथ अर्थात कल्याणकारी पथ पर आगे बढ़ें और अपने जीवन को सुंदर बना लें। मचाशीन साध्वी विदुषी एवं साधु समाज गायिका साध्वी सर्वज्ञा भारती जी , गायिका साध्वी अवनि भारती जी,गायिका साध्वी विनयप्रदा भारती जी, गायिका साध्वी सुमन भारती जी,श्रङ्क्ल्ल वादिका साध्वी मणिमाला भारती जी ,सितार वादिका साध्वी वीणा भारती जी , सितार वादिका साध्वी संगीता भारती जी, बांसुरी वादिका साध्वी उज्जेशा भारती ,डर्ल्ल वादिका साध्वी संपूर्णा भारती जी, डर्ल्ल वादिका साध्वी दीपा भारती,डूइंस्त्रं वादिका साध्वी सारिका भारती जी, गायक गोपाल जी,गायक कैलाश जी,गायक श्रेष्ठ जी,तबला वादक पार्थ जी, तबला वादक स्वामी करुणेशानंद जी, ढोलक वादक पवन जी ये सभी ने सुमधुर भजनों के द्वारा भक्त गण भाव विभोर हो उठे। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर उधवा हाई स्कूल में ₹आर्द्रभूमि और जलवायु परिवर्तन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज : अर्थ आइडियाज फाउंडेशन और साहिबगंज वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आदर्भूमि और जलवायु परिवर्तन₹ विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उधवा हाई स्कूल में किया गया। इस अवसर पर अर्थ आइडियाज फाउंडेशन से शहनवाज सिद्दीकी ने जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्याओं और इसके स्थानीय प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए संगठन की भूमिका और प्रयासों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सामूहिक और जागरूक प्रयासों की आवश्यकता है। साहिबगंज कॉलेज के बॉटनी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. वसीम रजा ने वेटलैंड्स की जलवायु परिवर्तन से निपटने में भूमिका और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने आर्द्रभूमियों को प्रकृति का संतुलन बनाए रखने का अहम आधार बताया। मंदार नेचर क्लब से राहुल ऋतश्वर ने पक्षियों और जैव विविधता के महत्व को समझाया और बताया कि कैसे यह पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में सहायक हैं। तिलका मांझी विश्वविद्यालय से शोधार्थी प्रियंका, जय कुमार जय और निवेदिता ने जल प्रदूषण, साइटोजेनेटिक्स और प्रवासी पक्षियों पर अपने शोध कार्य साझा किए।-विद्यालय की प्राचार्या नुसरत जहां ने जलवायु परिवर्तन और उससे जुड़े लैंगिक मुद्दों पर विचार रखते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया। वहीं शिक्षक संतोष कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका पर बल दिया।कृषक एवं सामाजिक कार्यकर्ता गोकुल प्रसाद यादव ने जलवायु-सहिष्णु कृषि प्रणाली की आवश्यकता को समय की माँग बताया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में अर्थ आइडियाज फाउंडेशन की टीम से सोहन सिंह, शीतल सिलास मुर्मू और शाहरयार सिद्दीकी का विशेष योगदान रहा।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण सहित जिला परियोजना पदाधिकारी (DPO) अमित मिश्रा भी उपस्थित रहे।अर्थ आइडियाज फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम न केवल जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रहा, बल्कि स्थानीय समुदाय, छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत भी बना।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति से संबंधित टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति से संबंधित टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समाहरणालय के सभा कक्ष में जिला अंतर्गत खरीफ विपणन मौसम वर्ष 2024-25 में धान अधिप्राप्ति से संबंधित टास्क फोर्स की बैठक आयोजित किया गया,इस बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत विभिन्न समितियों (पैक्स एवं व्यापार मंडलों) द्वारा कुल 237346.223 एम०टी० धान का क्रय किया गया है जिसका समतुल्य एम०टी० सी०एम०आर० राज्य खाद्य निगम को आपूर्ति किया जाना है। दिनांक 22.04.2025 तक 76829. 568 एम०टी० सी०एम०आर० राज्य खाद्य निगम को आपूर्ति किया गया है। सी०एम०आर० आपूर्ति की निर्धारित तिथि 15.06.2025 है। निर्धारित तिथि तक सी०एम०आर० जमा करने हेतु प्रतिदिन 55 लॉट सी०एम०आर० का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्धारित तिथि तक शत-प्रतिशत सी०एम०आर० आपूर्ति कराने हेतु जिला सहकारिता पदाधिकारी, औरंगाबाद एवं जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम को निदेशित किया गया है।

सातवें पोषण पखवाड़े का समापन: पूर्णिया ने मारी बाजी, नालंदा दूसरे स्थान पर

पटना:बिहार में 8 अप्रैल से शुरू हुए सातवें पोषण पखवाड़ा का मंगलवार को समापन हुआ। इस दो सप्ताह की अवधि में राज्यभर में पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस पहल का उद्देश्य खासतौर पर बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं को कुपोषण से बचाने और संतुलित आहार के प्रति जागरूक करना रहा।

पोषण पखवाड़ा के दौरान पूर्णिया रहा अव्वल

अब तक जारी आंकड़ों के मुताबिक पोषण पखवाड़ा के दौरान पूर्णिया अव्वल रहा, जहां जिले में सर्वाधिक गतिविधि दर्ज की गई। पूर्णिया में पोषण पखवाड़ा के दौरान सबसे अधिक 106% एक्टिविटी दर्ज की गई। वहीं, दूसरे स्थान पर नालंदा रहा, जहां कुल 3414 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 89% गतिविधि देखने को मिली। वहीं, तीसरे स्थान पर मधेपुरा रहा, जहां कुल गतिविधि 88% रही। चौथे स्थान पर बिहार का कैमूर जिला रहा, जहां 1769 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 78% एक्टिविटी देखने को मिली। पांचवें स्थान की बात करें तो सहरसा के 2090 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 78 प्रतिशत गतिविधि दर्ज की गई। राज्य के कुल 1,15,013 आंगनबाड़ी केन्द्रों में औसतन 65% गतिविधियां दर्ज हुईं, जो इस अभियान की व्यापकता को दशार्ता है।

चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

इस अवधि में गांवों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जीवन के पहले 1000 दिनों में पोषण के महत्व, एनीमिया की रोकथाम, हाथ धोने की सही विधि और पौष्टिक आहार की जानकारी दी गई। बच्चों ने पोषण रैलियां निकाली। पोस्टर और ड्राइंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया और स्कूल परिसरों में पोषण वाटिकाएं तैयार की।

गर्भवती महिलाओं को दी गई ॑पोषण की पोटली

गर्भवती महिलाओं को ॑पोषण की पोटली॒ देकर गोद भराई की रस्म निभाई गई। उन्हें घरेलू पौष्टिक रेसिपी, किचन गार्डन और प्रसवपूर्व पोषण के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना से संबंधित लाभों से भी अवगत कराया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार अपनाने की शपथ ली। पोषण पखवाड़ा की गतिविधियों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की गई और पोषण डैशबोर्ड के माध्यम से हर स्तर पर निगरानी रखी गई।जन आंदोलन बना पोषण पखवाड़ा 2025 पोषण पखवाड़ा 2025 महज एक कार्यक्रम नहीं रहा बल्कि यह एक जन आंदोलन बनकर उभरा, जिसने बिहार को स्वास्थ्य और स्वच्छता की नई दिशा में आगे बढ़ाया। यह पहल राज्य को कुपोषण मुक्त समाज की ओर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई

पहलगाम आतंकी हमले पर नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया: मानवता के विरुद्ध अपराध, देश एकजुट

पटना: जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस कायराना हमले को लेकर बिहार से भी तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। राज्य सरकार के जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने इसे मानवता के विरुद्ध अपराध बताया है और शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। उन्होंने कहा, ₹यह कायरतापूर्ण कृत्य संपूर्ण मानवता के विरुद्ध अपराध है। आतंक के विरुद्ध देश एकजुट है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले। वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा, ₹पहलगाम में आतंकियों द्वारा मासूम पर्यटकों को निशाना बनाना अत्यंत निंदनीय और पीड़ादायक है। जो लोग इस अमानवीय कृत्य के पीछे हैं, उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। दोनों नेताओं ने एक स्वर में आतंक के विरुद्ध राष्ट्र की एकजुटता को दोहराते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं हमारे हौसले को नहीं तोड़ सकतीं।

पौधारोपण से पृथ्वी बचाने का संकल्प, राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र ने मनाया पृथ्वी दिवस

पटना: विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधीन पटना में कार्यरत राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र में मंगलवार को पौधारोपण और जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजनों में जागरूकता बढ़ाना और पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना था। कार्यक्रम की शुरूआत विभिन्न फलों के पौधों को लगाकर की गई। आयोजकों का मानना है कि इन पौधों से भविष्य की पीढ़ियों को पर्यावरणीय और पोषण लाभ मिलेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र के अंतरिम निदेशक डॉ. गोपाल शर्मा ने पृथ्वी दिवस 2025 की थीम मारी शक्ति, हमारा गृह॒ पर आधारित व्याख्यान में कहा कि आज हमारे पास जो शक्ति है, उसका सदुपयोग पृथ्वी को बचाने में होना चाहिए। हाजीपुर स्थित एसएन कॉलेज में जंतु विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र कुमार ने कहा कि ऑक्सीजन की महत्ता आईसीयू में भर्ती मरीज से बेहतर कोई नहीं समझ सकता है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक पेड़ लगाओ, सौ जान बचाओ।

प्रत्येक कैदियों को नि:शुल्क विधिक सेवाऐं प्राप्त करने का हक।टीम के सदस्यों द्वारा कारा में भ्रमण के दौरान तैयार किया गया डाटा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, पटना के वरिष्ठ अधिवक्ताओं की टीम के द्वारा औरंगाबाद जिला के जेलो का दौरा करते हुए विभिन्न विन्दुओं पर पर डाटा तैयार करते हुए उन्हें विधिक सहायता प्रदान किया गया है। इस टीम में राजेष कुमार-1 अमित कुमार झा, पियुश कुमार पाण्डेय, मुस्कान सिंह, राजेश कुमार जिन्हें माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा नामांकित है, इस टीम में शामिल हैं। टीम द्वारा ऐसे दोषी जिनकी दोषसिद्धि को उच्च न्यायालय द्वारा बरकरार रखा गया है, साथ ही ऐसे दोषी जिनकी दोषमुक्ति को उलट दिया गया है तथा उन्हें उच्च न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया है एवं ऐसे दोषी जिनके आवेदन धारा 436ए सीआरपीसी जिसे भारतीय न्याय संहिता के तहत धारा 479 किया गया है उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दिये गये हैं तथा ऐसे दोषी जिनकी छूट/शिघ्र रिहाई राज्य सजा समीक्षा बोर्ड तथा उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दी गयी है ऐसे मामलों को इस टीम द्वारा चिन्हित किया गया है। टीम द्वारा बताया गया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय का मत है कि कारा में ऐसे कैदी हो सकते हैं जो भारत के सर्वोच्च न्यायालय में उचित अपील या याचिका दायर करने के लिए उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति से कानूनी सेवाऐं लेने के इच्छुक हैं, साथ ही कैदियों की सद्भावना और विष्वास हासिल करने के लिए विधिक सेवा संस्थानों जिसके तहत तालुका स्तर पर तालुका विधिक सेवा समिति, जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, राज्य स्तर पर उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति तथा देश स्तर पर सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा प्रदान की जाने वाली विधिक सेवाऐं बहुत ही उच्च गुणवत्ता की हो कैदियों को प्रदान करने के लिए इस टीम का

गठन किया गया है । टीम के प्रत्येक सदस्यों द्वारा जेल का भ्रमण करते हुए प्रत्येक वार्ड के कैदियों से पूछताछ करते हुए उन्हें प्रदान की जा रही विधिक सहायता एवं सेवाऐं की जानकारी प्राप्त किया गया । इस टीम के सदस्यों द्वारा सजायाफ्ता कैदियों से सम्पर्क करते हुए यह भरोसा दिया गया है कि आपके वाद में विधिक सहायता एवं सेवाऐं की आवष्यकता हो तो उसे जिला न्यायालय से माननीय सर्वोच्च न्यायालय तक निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण तथा प्रभावी विधिक सेवाऐं प्रदान की जायेगी साथ ही साथ कारा में संसीमित कैदियों को उनके अधिकार के बारे में भी टीम के सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया। औरंगाबाद मण्डल कारा में 33 महिला बंदियों सहित वर्तमान में कुल 998 कैदी संसीमित है। और सभी कैदियों को विधिक सेवाऐं के बारे में जानकारी देते हुए कहा गया कि यदि आप अपने अधिवक्ताओं से संतुष्ट नहीं है तो उनसे अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हुए जेल के माध्यम से निःशुल्क विधिक सेवाऐं के लिए आवेदन कर सकते हैं। टीम के सदस्यों द्वारा मण्डल कारा में भ्रमण के दौरान संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा गया कि औरंगाबाद जिला विधिक सेवाऐं देने में अव्वल है और आगे भी ऐसे मामलों को निरंतर चिन्हित करने की आवष्यकता है।

इस टीम को सहयोग करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार अन्तर्गत गठित कानूनी रक्षा परामर्शदाता प्रणाली में प्रतिनियुक्त मुख्य कानूनी बचाव अधिवक्ता श्री युगेश किशोर पाण्डेय, उपमुख्य कानूनी बचाव अधिवकता श्री अभिनन्दन कुमार, मुकेश कुमार तथा सहायक बचाव अधिवक्ता श्री रंधीर कुमार एवं चन्दन कुमार तथा पैनल अधिवक्ता सतीष कुमार स्नेही द्वारा टीम के सदस्यों को भरपुर सहयोग प्रदान किया गया। काराधीक्षक डा0 दीपक कुमार द्वारा मण्डल कारा के प्रत्येक वार्डो का भ्रमण टीम के सदस्यों को कराया गया जिसमें महिला वार्ड भी शामिल है। कैदियों से मिले सूचना के तहत टीम के सदस्यों द्वारा डाटा तैयार किया गया जिससे कि उनके मामलें को निःशुल्क विधिक सेवाऐं के लिए अग्रेसित करने की कार्रवाई की जायेगी। टीम के सदस्यों द्वारा मण्डल कारा, औरंगाबाद के भ्रमण के पश्चात उपकारा दाउदनगर का भी भ्रमण किया गया तथा प्रत्येक कैदियों से सम्पर्क स्थापित करते हुए निःशु ल्क विधिक सेवाऐं के बारे में अवगत कराया गया। दाउदनगर उपकारा में 131 पुरूष एवं 04 महिला बंदी संसीमिति है जहां कोई सजायाफ्ता बंदी नहीं पाया गया ।

छोड़कर मत जाओ हमें...खंडहर में पड़ी बच्ची को बचाया, अब

दिशा पाटनी

की बहन हो गईं इमोशनल

इन दिनों दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी की हर तरफ काफी तारीफ हो रही है. उन्हें बरेली में अपने घर के पास एक लावारिस बच्ची मिली थी. खुशबू ने उस बच्ची की जान बचाई. उसे अपने घर ले गईं और अब उसे उसके घरवालों से मिलवा दिया है. खुशबू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए बच्ची के मिलने के बारे में जानकारी दी थी. वहीं अब उन्होंने एक दूसरा वीडियो शेयर किया है और बताया है कि उस बच्ची को उसके मां-बाप को सौंप दिया गया है.जब वो बच्ची अपने मां-बाप के साथ जाने लगी तो खुशबू इमोशल हो गईं. दरअसल, बच्ची को अपने घर लाने के बाद खुशबू ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया था, ताकि पुलिस उसके पैरेंट्स को ढूंढ सके और बच्ची की पहचान हो सके. खुशबू ने जो नया वीडियो शेयर किया है, उसे शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, इंसान का दिल भी क्या ही है. मैं उसे मिस करूंगी. पुलिस ने उसके पैरेंट्स को ढूंढ लिया है. मेडिकल सपोर्ट के लिए और तुरंत मदद करने के लिए पुलिस का शुक्रिया.

बच्ची से क्या बोलीं खुशबू पाटनी ?

वीडियो में खुशबू उस बच्ची के साथ अस्पताल में नजर आ रही हैं. बच्ची बेड पर लेटी हुई है. जब वो रोने लगती है तो खुशबू उसे गोद में ले लेती है. उस बच्ची से खुशबू कहती हैं कि आप काफी स्पेशल हैं, आपको काफी परेशान किया गया, लेकिन आपको कुछ हुआ नहीं. उस बच्ची से वो ये भी कहती हैं, तुम छोड़कर जा रही हो मुझे, झोड़कर मत जाओ हमें.

बच्ची का ताल्लुक बिहार से

इस मामले में पुलिस की तरफ से बताया गया कि बच्ची का ताल्लुक बिहार से है. उसकी मां अपनी बच्ची के साथ बरेली से बिहार जा रही थीं. उसी समय बरेली जंक्शन से एक युवक बच्ची को लेकर फरार हो गया था. फिर वो बच्ची खुशबू पाटनी को मिली. खुशबू इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं. लोग उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं. दिशा पाटनी ने भी इस वीडियो पर कमेंट किया है. दिशा ने लिखा, आप सच में रियल हीरो हो. आप दोनों का भला हो.

ब्राह्मणों को टॉयलेट समझ रखा है... अनुराग कश्यप पर भड़कीं ये एक्ट्रेस, FIR दर्ज कराने पहुंची पुलिस स्टेशन

बॉलीवुड फिल्ममेकर अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं. ब्राह्मण समाज के खिलाफ उनकी आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद ही सोशल मीडिया पर हंगामा मचा है. लोग लगातार उनकी ऐसी टिप्पणी करने के लिए आलोचना कर रहे हैं. जहां बीते दिनों लिरिसिस्ट मनोज मुंतशिर शुक्ला ने उन्हें हद में रहने की नसीहत दी थी. अब एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने ओशिवारा पुलिस स्टेशन पहुंची हैं.'गंदी बात' फेम गहना वशिष्ठ ने लिखित शिकायत देकर अनुराग कश्यप के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की है. फिल्ममेकर के बयान के बाद से लोग काफी नाराज हैं. खासकर ब्राह्मण समाज के लोगों में काफी गुस्सा देखा जा रहा है. एक्ट्रेस ने भी इस बयान को बेकार बताया है.

एक्ट्रेस ने की FIR दर्ज करने की मांग

मॉडल और एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ 21 अप्रैल यानी आज मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन पहुंचीं. जहां उन्होंने फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप के खिलाफ लिखित शिकायत दी है. साथ ही स्नढ्ढक्र दर्ज करवाने की मांग की है. उन्होंने कहा कि, अनुराग कश्यप ने जो बयान दिया है, वो बहुत बेकार है. ब्राह्मणों को क्या टॉयलेट समझ रखा है? फिल्मों के लिए आप कुछ भी बयान देंगे ? नशे में थे क्या आप, जो इस तरह से बयान दे रहे हैं ?

इस दौरान एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि 5 साल आप बिजी हो किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता. लेकिन इस तरह का बयान अगर किसी और धर्म के लिए दिया होता, तो अब तक फतवे जारी हो गए होते.

अनुराग कश्यप ने क्या कहा था ?

अनुराग कश्यप ने हाल ही में ब्राह्मणों पर निशाना साधा था. दरअसल उन्होंने एक शख्स को जवाब देते हुए ब्राह्मणों पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी. जिसके बाद से ही हर तरफ बवाल हो रहा है. कई जगहों पर फिल्ममेकर के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है. जिसके बाद उन्होंने माफी मांगी. उन्होंने दावा किया है कि इस स्टेटमेंट के बाद से ही उनकी फैमिली और खासकर बेटी को धमकियां मिल रही हैं. उन्होंने माफी मांगते हुए कहा कि, यह इसलिए है क्योंकि उनके पोस्ट को गलत तरह से समझा गया है. साथ ही अपील की है कि जो कहना है मुझे कहो, लेकिन मेरे परिवार को इसमें मत लाओ.

शाहरुख के साथ ये फिल्म करके आज भी पछताती होंगी अनुष्का शर्मा, 178 करोड़ कमाकर भी हो गई डिजास्टर

बॉलीवुड अदाकारा अनुष्का शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2008 में फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से की थी. पहली ही फिल्म में उन्हें शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिला था. दोनों की जोड़ी को बड़े पर्दे पर फैंस का काफी प्यार मिला. अनुष्का का डेब्यू सफल रहा और वो छा गईं. अनुष्का ने आगे जाकर सलमान खान, अक्षय कुमार और आमिर खान जैसे सुपरस्टार्स के अलावा और भी कई नामचीन सितारों के साथ स्क्रीन शेयर की और कई बेहतरीन फिल्में उनके खाते में आईं.

लेकिन अनुष्का के पास फ्लॉप फिल्मों की लाइन भी लगी हुई है.कई हिट फिल्में देने वाली अनुष्का शर्मा फ्लॉप फिल्में देने में भी पीछे नहीं रहीं. रब ने बना दी जोड़ी के बाद उन्होंने 'बैंड बाजा' बारात', 'जब तक है जान', 'पीके', 'सुल्तान', 'ए दिल है मुश्किल' जैसी फिल्मों से फैंस का दिल जीता. जबकि 'जब हैरी मेट सेजल', 'फिल्लौरी', 'बॉम्बे वेलवेट', 'मटरू की बिजली का मंडोला' और 'पटियाला हाउस' जैसी फ्लॉप भी दीं. लेकिन उनकी एक फिल्म तो ऐसी भी रही जो 178 करोड़ रुपये कमाने के बावजूद डिजास्टर हो गई. इसमें उनके साथ शाहरुख खान लीड रोल में थे. वहीं कटरीना कैफ भी इसका हिस्सा थीं.

डिजस्टर हुई थी शाहरुख-अनुष्का की 'जीरो'

यहां बात हो रही है अनुष्का शर्मा और शाहरुख खान की फिल्म 'जीरो' की. इसका डायरेक्शन आनंद एल राय ने किया था और वो ही इसके प्रोड्यूसर भी थे. साल 2018 में रिलीज हुई इस फिल्म में कटरीना कैफ भी दिखाई दी थीं. तीन-तीन बड़े स्टार होने के बावजूद इसका हाल बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरा हुआ था.

पिक्कर का जैसा नाम था उसका काम भी वैसा ही रहा. दर्शकों की नजरों में फिल्म जीरो साबित हुई और अपना बजट तक नहीं निकाल पाई. 'जीरो वर्ल्डवाइड 178 करोड़ रुपये कमाने के बाद भी डिजास्टर साबित हो गई थी.

मेकर्स को लगी करोड़ों की चपत

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर 178 करोड़ रुपये की तगड़ी कमाई करने के बावजूद जीरो कैसे टिकट खिड़की पर पिट गई. दरअसल बात ये है कि इसका बजट 200 करोड़ रुपये था. इस हिसाब से देखा जाए तो फिल्म बजट से 22 करोड़ रुपये पीछे रहे गई थी.

इस एक्ट्रेस की वजह से अलग हुए शुभमन गिल और

सारा तेंदुलकर

क्रिकेट और बॉलीवुड का पुराना रिश्ता है. ऐसे कई क्रिकेटर्स हैं, जिन्होंने फिल्मी सितारों को अपना हमसफर चुना है. यही वजह है कि आए दिन किसी न किसी क्रिकेटर का नाम टीवी या फिल्मी स्टार से जुड़ जाता है. भारतीय ओपनर शुभमन गिल भी इसी वजह से चर्चा में हैं. ऐसी खबरें हैं कि वो सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा को डेट कर रहे हैं. हालांकि, एक शो पर उन्होंने खुद सारा का नाम लिया था. साथ ही उनके दोस्त ने भी कुछ खुलासे किए थे. खैर, अब दोनों इंस्टाग्राम पर एक दूसरे को अनफॉलो कर चुके हैं. लेकिन दोनों के अलग होने की वजह एक एक्ट्रेस को बताया जा रहा है.

ऐसी अफवाहें उड़ रही हैं कि सारा तेंदुलकर और शुभमन गिल अलग हो चुके हैं. दरअसल यह टीवी एक्ट्रेस लंबे वक्त से शुभमन गिल को लेकर चर्चा में हैं. वो दुबई में मैच भी देखने पहुंची थी, जिसके बाद से ही उनका क्रिकेटर संग नाम जुड़ रहा है. यह कोई और नहीं, टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर हैं.

इस एक्ट्रेस की वजह से अलग हुए सारा-शुभमन ?

दरअसल अवनीत कौर ने शुभमन गिल को पिछले बर्थडे पर विश किया था. उससे पहले वो दोनों एक साथ भी दिखे थे. हालांकि, तब दूसरे दोस्त भी उनके साथ थे. लंदन में भी एक ग्रुप के साथ शुभमन गिल और अवनीत कौर को स्पॉट किया गया था. लेकिन कभी भी दोनों को अकेले साथ में नहीं देखा गया. यहां तक कि दोनों एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो भी नहीं करते. लेकिन एक्ट्रेस कई बार भारतीय टीम को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचती हैं. दुबई में भी वो दिखी थीं, लेकिन अब उन्हें ट्रोल किया जा रहा है.

X पर लोग अवनीत कौर को दोनों के अलग होने की वजह बता रहे हैं. लेकिन हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक, अवनीत कौर और राघव शर्मा पिछले तीन-चार साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. वहीं राघव शर्मा जो एक प्रोड्यूसर हैं, उनकी शुभमन गिल से अच्छी दोस्ती है. अवनीत कौर भी राघव के जरिए ही शुभमन से मिली थी. हालांकि, राघव शर्मा और अवनीत कौर ने अपने रिश्ते को अबतक ऑफिशियल नहीं किया है. वहीं, अवनीत और शुभमन सिर्फ दोस्त हैं, लेकिन लोग उनकी तस्वीरों पर शुभमन गिल का कमेंट करते हैं. गौरतलब है कि अवनीत टीवी का जाना पहचाना चेहरा हैं. वो फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं.